RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 116 ता. 27 अक्टूबर 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

सैन्य वाहन के पलटने से बड़ा हादसा, एक जवान की मौत

कुलगाम । जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार सुबह एक सैन्य वाहन के पलटने से बड़ा हादसा हुआ। दुर्घटना में एक जवान शहीद हुआ, जबकि 8 अन्य जवान घायल हो गए हैं। सेना के अधिकारियों के अनुसार, एक्सीडेंट के तुरंत बाद सभी 9 घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक जवान की उपचार के दौरान मौत हो गई। शेष 8 घायल जवानों का इलाज अस्पताल में जारी है। फिलहाल, दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। यह हादसा एक दुखद घटना है, जो जवानों के कठिन और जोखिमभरे कर्तव्यों की याद दिलाता है।

झारखंड में लोगों से मतदान करने की अपील करते दिखेंगे धोनी

चुनाव आयोग ने बनाया ब्रांड एंबेसडर

रांची । पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए झारखंड का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि धोनी ने विधानसभा चुनावों में अपनी तस्वीर के इस्तेमाल के लिए चुनाव आयोग को सहमति दे दी है। हम अन्य जानकारी के लिए उनसे संपर्क में हैं। धोनी स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) कार्यक्रम के तहत मतदाताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए काम करने वाले है। चुनाव आयोग को उम्मीद है कि धोनी की अपील और लोकप्रियता का लाभ उठाकर मतदाताओं में उत्साह बढ़ाया जा सकेगा, खास तौर पर अधिक संख्या में मतदान करने के लिए धोनी की अपील काम आएगी। झारखंड़ में पहले चरण में 13 नवंबर को कुल 43 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने का काम पूरा हो गया। नामांकन दाखिल करने वालों में पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भी शामिल हैं, जिन्होंने सरायकेला से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके गठबंधन का झारखंड में कोई अस्तित्व नहीं है और वे चुनाव में कहीं नहीं टिकते।

जयशंकर ने जर्मनी की विदेश और जलवायु कार्रवाई मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली । भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर ''व्यापक चर्चा'' की। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि उनकी जर्मनी के वाइस चांसलर तथा आर्थिक मामलों एवं जलवायु कार्रवाई मंत्री रॉबर्ट हेबेक के साथ भी ''सार्थक बातचीत'' हुई। इस बातचीत के बारे में जयशंकर ने पोस्ट कर सातवीं भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) बैठक को ''सफल'' बताया। उन्होंने कुछ पोस्ट में बेयरबॉक और हेबेक के साथ अपनी बैठकों की अलग-अलग तस्वीरें भी साझा की हैं। दरअसल जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज की भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा के तहत जर्मनी के वाइस-चांसलर और विदेश मंत्री भी भारत आए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर शोल्ज ने इसके पहले भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श के सातवें दौर की बैठक की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्री ने जयशंकर ने एक्स' पर लिखा, शनिवार को आईजीसी की सफल बैठक के बाद जर्मनी की विदेश मंत्री बेयरबॉक से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमारी रणनीतिक साझेदारी ने 24 वर्ष पूरे कर लिए हैं तथा यह और भी अधिक गहरी होती जा रही है।

इजरायल ने दहला दिया ईरान

सुबह-सुबह 100 फाइटर जेट से तेहरान पर कर दी बमबारी

यरुशलम।

इजरायल ने शनिवार को ईरान के मिलिट्री ठिकानों पर हमला बोल दिया। माना जा रहा है कि इजरायल का ये हमला 1 अक्टूबर को ईरान के हमले का जवाब है। इजरायल ने कहा कि 7 अक्टूबर 2023 के बाद से ही ईरान और उसके प्रॉक्सी इजरायल पर लगातार हमले कर रहे हैं। तेल अवीव ने कहा कि किसी भी दूसरे देश की तरह इजरायल के पास भी अपनी संप्रभुता की रक्षा करने का अधिकार है। इजरायल के मिलिट्री प्रवक्ता एडमिरल डेनियल हगारी ने लोगों से सतर्क रहने को कहा है, साथ ही इजरायली सेना ने अपने डिफेंस सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखा है। इससे पहले ईरान ने कहा था कि उसके देश पर होने वाले किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

इजरायल ने शनिवार तड़के ईरान पर भीषण हमला बोला. इजरायली सेना ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि ईरान के सैन्य ठिकानों समेत तेहरान और आसपास के शहरों पर बमबारी की गई है। इजरायल की लोकल मीडिया के अनुसार ईरान पर हमला करने के लिए इजरायली सेना ने 100 से अधिक लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। इजरायल की इस कार्रवाई को ईरान की तरफ से 1 अक्टूबर को किए गए हमलों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

ईरान में सैन्य ठिकानों पर शनिवार के हमलों में 100 से अधिक इजरायली विमानों ने हिस्सा लिया। 2000 किमी दूर से किए गए इस हमले में एफ-35 फाइटर जेट का इस्तेमाल किया गया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले से पहले अमेरिका को इसकी जानकारी दे दी गई थी लेकिन वह ऑपरेशन में शामिल नहीं है।

एक अज्ञात इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा कि इजरायल ईरानी परमाणु ठिकानों या तेल क्षेत्रों पर हमला नहीं कर रहा है। उसका फोकस सैन्य लक्ष्यों पर है। इजरायली सेना ने भी पुष्टि की है कि वह सैन्य ठिकानों को टारगेट कर रहे हैं। अधिकारी के हवाले से कहा गया, हम उन चीजों को निशाना बना रहे हैं जिनसे हमें अतीत में खतरा था या भविष्य में खतरा हो सकता है। ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई का समर्थन करते हुए बाइडेन प्रशासन इजरायल से ऐसे लक्ष्यों पर हमला नहीं करने का आग्रह करता रहा है। ईरान की सरकारी एजेंसी का कहना है कि सेंट्रल तेहरान में गोलाबारी की आवाज सुनी जा रही है।

ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के मुख्यालय के पास भी धमाकों की खबर है। ईरान के साथ-साथ इराक, सीरिया और लेबनान में भी धमाके सुने गए हैं. इराक ने अगली सूचना तक सभी हवाई अड्डों पर उड़ानें निलंबित कर दीं। अमेरिका का कहना है कि उसे ईरान पर इजरायल के हमले की जानकारी है और वह स्थिति पर नजर रख रहा है।

अमेरिका को दी गई जानकारी

इजरायल का हमला लगातार जारी है। तेहरान के साथ-साथ खुजेस्तान प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी शहरों अहवाज़ और अबादान में नए धमाकों की खबरें हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारी का कहना है कि राष्ट्रपति बाइडेन को जानकारी दे दी गई है और वह इजरायल के जवाबी हमले पर करीब से नजर रख रहे हैं। इजरायल ने नागरिक उड्डयन के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। इजरायल ने स्थानीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक अपने हवाई क्षेत्र को नागरिक उड्डयन के लिए पूरी तरह से बंद करने की घोषणा की है

जयशंकर ने बताया, क्यों ग्लोबल साउथ को भारत पर भरोसा, तीन उदाहरण देकर समझाया

गरीब देशों को कोरोना वैक्सीन दी

नई दिल्ली ।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ को भारत से बहुत उम्मीदें हैं। विदेश मंत्री ने बताया कि आखिर क्यों ग्लोबल साउथ को भारत पर भरोसा और उम्मीदें हैं। उन्होंने इसके लिए तीन उदाहरण देकर पूरी बात को समझाया। जयशंकर ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान ग्लोबल साउथ के देशों को भारत की तरफ से की गई मदद, रूस यूक्रेन युद्ध और नई दिल्ली जी-20 समिट के दौरान अफ्रीकन यूनियन को सदस्यता दिलाने का जिक्र किया।

जयशंकर ने ग्लोबल साउथ का मतलब समझाकर बताया कि कैसे ग्लोबल साउथ के देशों में काफी समानता है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ से हमारा क्या मतलब है? हमारा मतलब मुख्य रूप से उन देशों से है जो उपनिवेश थे, जिन्हें अपनी स्वतंत्रता मिली या जो अभी भी विकासशील हैं, जो बड़े पैमाने पर कम आय वाले देश शामिल है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ के देश भारत पर बहुत ज्यादा भरोसा करते हैं। इसके पीछे एक कारण भी है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित कर कहा कि मैं आपको तीन उदाहरण दे सकता हूं। जयशंकर ने कहा, ग्लोबल साउथ के अधिकांश लोगों को याद है, कि कोविड के दौरान जब विकसित दुनिया वास्तव में टीकों की जमाखोरी कर रही थी, उसमें से कई ने भारत से अपने पहले टीके हासिल किए। वहां भी तब जब भारत अभी भी अपने लोगों को टीका लगा रहा था। मैं दुनिया पर इसके भावनात्मक प्रभाव को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बता सकता।

विदेश मंत्री ने कहा, दूसरा उदाहरण यूक्रेन था...तीसरा उदाहरण हमारे जी 20 के दौरान दिखा। जी 20 में कई वर्षों तक, अफ्रीकन यूनियन एक सीट चाहता था। हर जी 20 इसी तरह शुरू होता था। जी 20 के पहले दिन, हर कोई अफ्रीकन यूनियन से कहता था कि चिंता न करें, इस बैठक के दौरान आपका ख्याल रखा जाएगा, लेकिन बैठक के अंत में जब कुछ नहीं होता था, तब वे कहते थे, माफ कीजिए, इस बार हम ऐसा नहीं कर सके, लेकिन अगली बार पक्का इस पर विचार होगा...अफ्रीकी देशों को ऐसा लगता है कि भारत के पास अंतरात्मा है।

भारत के पास एक प्रतिष्ठा है, उसका एक रुख है, भारत के पास आज आत्मविश्वास है...। जयशंकर कोरोना काल के उस भयानक दौर की याद दिलाई जब गरीब देश वैक्सीन के लिए तरस रहे थे। कुछ चुनिंदा देश ही वैक्सीन बनाने पर काम कर रहे थे, उसमें भारत भी शामिल था। उस वक्त अमेरिका जैसे अमीर देशों ने वैक्सीन की जमाखोरी कर ली थी। एक ओर गरीब देश वैक्सीन की पहली डोज तक के लिए तरस रहे थे दूसरी तरफ ये देश अपने नागरिकों की दूसरी डोज या फिर बूस्टर डोज के लिए वैक्सीन जमा कर रहे थे। तब भारत ने गरीब देशों की मदद की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने रायपुर के जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

रायपुर ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार सुबह राजधानी रायपुर में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति मुर्मू शुक्रवार से छत्तीसगढ़ राज्य के दो-दिवसीय दौरे पर हैं। राज्स सरकार के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और सुभद्रा जी की पूजा-अर्चना की और देशवासियों की खुशहाली, समृद्धि और प्रगति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि उनके साथ राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के तीन साल बाद वर्ष 2003 में पुरी (उड़ीसा) के जगन्नाथ मंदिर की तरह भगवान जगन्नाथ मंदिर का निर्माण किया गया। मंदिर का मुख्य ढांचा ऊंचे चबूतरे पर बना है। इतना ही नहीं अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में उड़ीसा से लाई गई नीम की लकड़ी से बनी मूर्तियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में पूजा—अर्चना के बाद राष्ट्रपति भिलाई के लिए रवाना हुई, जहां वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भिलाई के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू बाद में राजधानी रायपुर लौटेगी और नवा रायपुर में पंडित दीनदयाल मेमोरियल स्वास्थ्य विज्ञान और आयुष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

संसद में आपका प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात होगी

प्रियंका गांधी ने वायनाड की जनता के नाम लिखा पत्र

नई दिल्ली ।

वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव से पहले कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने जनता के नाम पत्र लिखा है। पत्र को प्रियंका ने एक्स अकाउंट पर जारी किया है। प्रियंका ने पत्र में लिखा कि वायनाड के मेरे प्यारे बहनों और भाइयों। मैं अपने भाई के साथ कुछ महीने पहले चूरामाला और मुंडक्कई गई थी। मैंने वहां भूस्खलन से हुई तबाही और नुकसान को करीब से देखा। इस दौरान मैं उन बच्चों से मिली, जिन्होंने अपने प्रियजनों को इस तबाही में खो दिया। माताएं अपने बच्चों और परिवारों के लिए दुखी थीं, जिनका पूरा जीवन प्रकृति के प्रकोप में बह गया था। फिर भी इस त्रासदी के बीच मुझे जो चीज दिखाई दी, वह था आपका असीम साहस और धैर्य। आप ताकत के साथ एकजुट हुए, जो मैंने पहले कभी नहीं देखी है। प्रियंका ने आगे कहा कि यहां तक कि एक भारी त्रासदी में असहाय होने के बावजूद भी आप एक दूसरे का सहयोग कर रहे थे और सांत्वना दे रहे थे। आपकी बहादुर भावना ने मुझे गहराई से छुआ। घर लौटते समय मुझे लगा कि संसद में आपका प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। आपसे सीखना, आपके जीवन और आपके सामने आने वाली चुनौतियों को समझना और इस साहसी समुदाय का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात होगी, जो एक-दूसरे का सम्मान करना और सबसे कठिन समय में भी मजबूती से खड़ा होना जानता है।

सबने यहां की एक-दूसरे की मदद

डॉक्टरों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, नर्सों, गृहणियों, हर किसी ने एक-दूसरे की मदद की। किसी ने न तो कोई गुस्सा दिखाया और न ही किसी ने दूसरे पर दोष डाला। कोई भी लालच का सहारा नहीं ले रहा था। प्रियंका ने वायनाड की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आपने मेरे भाई को अपना प्यार दिया है। जब उन्होंने मुझे वायनाड के लिए कांग्रेस उम्मीदवार बनने के लिए कहा तो उन्होंने अपने दिल में गर्व और दुख के साथ ऐसा किया। मैंने उनसे वादा किया कि यहां मेरा काम इस बंधन को और मजबूत करेगा और मैं आपके लिए लड़ने तथा संसद में जिस तरह से आप प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं, आपका प्रतिनिधित्व करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगी।

समाजवादी पार्टी के स्टार प्रचारों की सूची जारी, अखिलेश, जया बच्चन व शिवपाल के नाम

यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर होने हैं उपचुनाव

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। सूची में समाजवादी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, जया बच्चन और शिवपाल सिंह यादव शामिल हैं। समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मंझवा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। 40 स्टार प्रचारकों में अखिलेश यादव, रामगोपाल यादव, मोहम्मद आजम खान, डिंपल यादव, जया बच्चन, शिवपाल सिंह यादव, रामजी लाल सुमन, श्याम लाल पाल, बाबू सिंह कुशवाहा, हरेंद्र मलिक, लालजी वर्मा, अवधेश प्रसाद, नरेश उत्तम पटेल, इन्द्रजीत सरोज, माता प्रसाद पाण्डेय, विशम्भर प्रसाद निषाद, राम अचल राजभर, ओम प्रकाश सिंह, कमाल अख्तर का नाम शामिल है। इसके अलावा शाहिद मंजूर, रामगोविन्द चौधरी, लालबिहारी यादव, जावेद अली खान, राजाराम पाल, महबूब अली, जियाउर्रहमान बर्क, देवेश शाक्य, रामआसरे विश्वकर्मा, रमेश प्रजापति, किरनपाल कश्यप, राम औतार सैनी, रेखा वर्मा, त्रिभुवन दत्त, अतुल प्रधान, मिठाईलाल भारती, आबिद रजा, संजय सविता, राजपाल कश्यप, शकील अहमद नदवी और जुगुल किशोर बाल्मीकि को स्टार प्रचारकों की लिस्ट में जगह मिली है।

सपा के सिंबल पर ही गठबंधन के सभी प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए संदेश दिया था कि इंडिया ब्लॉक एकजुट है और सपा के सिंबल पर ही गठबंधन के सभी प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। अखिलेश ने एक्स पर लिखा था, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक बड़ी जीत के लिए एकजुट होकर, कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी हैं। इंडिया गठबंधन इस उपचुनाव में, जीत का एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं के साथ आने से समाजवादी पार्टी की शक्ति कई गुना बढ़ गई है।

कश्मीर में निर्दोषों के खून की हर बूंद का बदला लिया जाएगा : सिन्हा

श्रीनगर।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि कश्मीर में निर्दोषों के खून की हर बूंद का बदला लिया जाएगा। यह बयान उन्होंने 629 बीएसएफ रंगरूटों की पासिंग आउट परेड के दौरान दिया। सिन्हा ने सुरक्षाबलों की नई रणनीति के बारे में जानकारी देकर कहा कि वे उभरते खतरों से निपटने के लिए तैयार हैं। हाल ही में हुए हमले में निर्दोष मजदूरों की हत्या को निंदनीय बताकर उपराज्यपाल ने कहा कि इसतरह के आतंकी हमले में 3 सैनिकों का बलिदान भी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ शांति चाहता है, लेकिन दुर्भाग्यवश हमें एक ऐसा पड़ोसी मिला है, जो गरीबी का सामना करने के बावजूद शांति को बाधित करने में लगा रहता है। उपराज्यपाल ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की बहादुरी और देशभक्ति की सराहना की, और कहा कि बल को अपने दायरे का विस्तार करने और आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्रीय बलों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता है। उपराज्यपाल सिन्हा ने ड्रोन द्वारा नशीले पदार्थों की तस्करी की बढ़ती समस्या पर कहा कि बीएसएफ और अन्य बलों को तकनीकी क्षमताओं को उन्नत करने की जरुरत है। उन्होंने चेताया कि नशीले पदार्थ हमारी युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रहा हैं, इतना ही नहीं इससे अर्जित धन का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने में हो रहा है। उपराज्यपाल ने बीएसएफ की विभिन्न गतिविधियों की प्रशंसा की, इसमें स्कूल खोलना, गरीबों की मदद करना और हथियारों एवं नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटना शामिल है।

बारामूला हमले में खुलासा.....3-4 आंतकी शामिल

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में हुए आतंकी हमले को लेकर नया खुलासा हुआ हैं। बारामूला के एसएसपी मोहम्मद जैद मलिक ने बताया कि हमले में 3-4 आतंकियों के शामिल होने के सबूत मिले हैं। आतंकियों को पकड़ने के लिए सेना और पुलिस का सर्च ऑपरेशन लगातार तीसरे दिन भी जारी है।

उधर, आर्मी प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एमके साहू ने बताया कि जब सेना के वाहन पर गोलीबारी हुई, तब हमारे सैनिकों ने तुरंत जवाबी हमला किया, जिससे आतंकवादियों को अपना हथियार और बैग छोड़कर भागना पड़ा। वे नाले और घने जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले। दरअसल, यह हमला 24 अक्टूबर की देर रात एलओसी के पास सेना की गाड़ी पर किया गया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर वर्कर्स शहीद हुए थे।

लेफ्टिनेंट कर्नल सिंह ने कहा कि भारतीय सेना राइफलमैन कैसर अहमद शाह और राइफलमैन जीवन सिंह की बहादुरी को सलाम करती है। दोनों जवानों ने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद आतंकियों को भागने पर मजबूर किया। उनके साहस के कारण और अधिक नुकसान नहीं हुआ। शहीद जवानों ने कश्मीर में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के खिलाफ अद्वितीय साहस दिखाया। हमले में बोनियार के जहूर अहमद मीर और उरी के मुश्ताक अहमद चौधरी ने भी सर्वोच्च बलिदान दिया। दोनों ने देश की सेवा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

सेना का मानना है कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी घाटी में अशांति फैलाने और कश्मीर में आतंक का माहौल बनने कश्मीरी नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल ने कहा कि आतंकियों की एकमात्र विचारधारा घाटी में आतंक का राज स्थापित करना है।

हालांकि, कश्मीर शांति और स्थिरता की ओर बढ़ रहा है, लेकिन आतंकवादी संगठन इस प्रगति में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं। बारामूला का यह आतंकी हमला घाटी में आतंकियों के खिलाफ भारतीय सेना की मजबूती और सतर्कता को दर्शाता है। सेना ने आतंकवादियों के खिलाफ अपने जवाबी हमले में साहस का परिचय दिया है, और शहीद जवानों की शहादत ने घाटी में आतंक के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है।

मेल के जरिए राजकोट की 5 सितारा समेत 10 होटलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

राजकोट । शहर की 5 सितारा होटलों समेत 10 होटलों को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप मच गया। ये धमकी ई मेल के जरिए दी गई होने की पता चला है। धमकीभरा मेल मिलने के बाद राजकोट पुलिस ने सभी होटलों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही इस बात की भी जांच में जुट गई है कि मेल किसने और कहां से भेजा? बता दें कि हाल के दिनों में कभी होटल तो कभी फ्लाइट तो स्कूल को बम से उड़ाने देने की धमकियां मिल चुकी हैं। अब राजकोट की 10 होटलों को बम से उड़ा देने की धमकी मिली है। राजकोट की विख्यात इंपीरियल पैलेस, सयाजी होटल, सिजन्स होटल, होटल ग्रांड रेजंसी समेत होटलों को ई मेल के जरिए धमकी दी गई है। जिसमें लिखा गया है 'तुम्हारी होटल की प्रत्येक जगह पर बम रखा है, जो कुछ ही समय में ब्लास्ट होगा और अनेक निर्दोष लोगों की जान चली जाएगी। जितनी जल्द हो सके होटल खाली कर दो।' इन होटलों में देश-विदेश से राजकोट आनेवाले सेलिब्रिटी समेत लोग ठहरते हैं। धमकी मिलने की जानकारी पाते ही राजकोट पुलिस हरकत में आ गई है और बम निरोधक दस्ते के साथ सभी होटलों में जांच शुरू कर दी है। हांलाकि अब तक पुलिस कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

सैन्य वाहन के पलटने से बड़ा हादसा, एक जवान की मौत

कुलगाम। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार सुबह एक सैन्य वाहन के पलटने से बड़ा हादसा हुआ। दुर्घटना में एक जवान शहीद हुआ, जबकि 8 अन्य जवान घायल हो गए हैं। सेना के अधिकारियों के अनुसार, एक्सीडेंट के तुरंत बाद सभी 9 घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक जवान की उपचार के दौरान मौत हो गई। शेष 8 घायल जवानों का इलाज अस्पताल में जारी है। फिलहाल, दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। यह हादसा एक दुखद घटना है, जो जवानों के कठिन और जोखिमभरे कर्तव्यों की याद दिलाता है।

150 फीट के गहरे बोरवेल में 44 वर्षीय शख्स गिरा, मौत

दौसा। जिले के मंडावरी में एक व्यक्ति खेत में काम करते समय बोरवेल में गिर गया था। रेस्क्यू टीमों ने बचाव के तमाम प्रयास किए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। डीएसपी दिलीप मीना ने बताया कि 44 साल का हेमाराज गुर्जर अपने गांव टोडा ठेकला में खेत पर बोरवेल में फंसी मोटर को निकालने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक मिट्टी का ढेर ढह गया और वह 150 फ़ीट गहरे बोरवेल में गिर गया। मौके पर पहुंच पुलिस-प्रशासन ने बताया कि युवक करीब 32 फीट की गहराई पर अटका हुआ है। शाम चार बजे ग्रामीणों ने सूचना दी। उसके बाद रेस्क्यू टीम को मौके पर बुलाया गया। मौके पर जेसीबी से खुदाई शुरू की गई। जेसीबी मशीन, स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से हेमराज को बेहोशी की हालत में 15 फीट गहरे बोरवेल से बाहर निकाला गया और जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

समलैंगिक शादी की हवा आदिवासी लड़कियों तक पहुंची

अलीराजपुर । सोशल मीडिया के प्रभाव से अब आदिवासी भी नहीं बचे हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती और इश्क का बुखार अब आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंच गया है। इस जिले की दो युवतियां समलैंगिक शादी के लिए अड़ी हुई हैं। अलीराजपुर के छोटी पोल गांव की दो यूवतियां आपस में शादी करने के लिए अड गई हैं। इस समलैंगिक विवाह को लेकर दोनों लड़कियों ने चंद्रशेखर आजाद नगर थाने में जाकर सुरक्षा की मांग की है। दोनों लड़कियों की पहचान गुजरात में मजदूरी करने के दौरान हुई थी। उसके बाद से ही उनके संबंध गहरे हो गए। गुजरात से लौटने के बाद दोनों एक साथ रहने लगी। अब वह शादी करना चाहती हैं। गांव के लोग इस शादी के खिलाफ हैं। दोनों लड़कियों में से एक लड़की ने अपना हुलिया लड़के की तरह बना लिया है। थाना प्रभारी संतोष सिंह के अनुसार इसमें से एक लड़की नाबालिग है। अभी उन्हें समझाकर घर भेज दिया गया है। यह दोनों लड़कियां आपस में शादी के लिए अड़ी हुई हैं। इन्होंने गांव वालों से सुरक्षा की मांग की है।

योगी के कटेंगे तो बंटेंगे बयान के समर्थन में उतारा संघ, हिन्दु समाज की एकता जरुरी

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कटेंगे तो बंटेंगे बयान का समर्थन कर हिंदू समाज की एकता की आवश्यकता पर जोर दिया है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मथुरा में आयोजित प्रेसवार्ता इस मुद्दे को उठाकर कहा कि समाज में जाति, भाषा और अन्य भेदभावों के चलते यदि हिंदू एकजुट नहीं होते, तब उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। संघ के सरकार्यवाह होसबाले ने साफ किया कि यदि हिंदू समाज में बंटवारे का सिलसिला जारी रहा, तब यह आने वाले समय में बंटने और कटने की स्थिति को जन्म दे सकता है। उन्होंने कहा, हिंदू समाज की एकता लोक कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह एकता सभी को सुख प्रदान करेगी। वर्तमान में हिंदुओं को तोड़ने के लिए विभिन्न शक्तियाँ सक्रिय हैं, और हमें इसके प्रति सचेत रहना होगा। संघ के सरकार्यवाह से सवाल किया गया कि क्या संघ और भाजपा के बीच कोई खींचतान चल रही है, इस पर होसबाले ने कहा कि संघ एक सार्वजनिक संगठन है और उसका किसी राजनीतिक दल के साथ कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, हम भाजपा, कांग्रेस, उद्योगपतियों सभी से मिलते हैं। हमारा उद्देश्य समाज में नफरत का माहौल न बनाने देना है। होसबाले ने धर्मांतरण के मामलों और हाल ही में दुर्गा पूजा एवं गणेश विसर्जन के समय हुए हमलों की भी चर्चा की। उन्होंने हिंदू समाज से अपील की कि वे अपनी रक्षा करें और एकजुट होकर रहें। उन्होंने कहा, हिंदू समाज को संगठित रहना चाहिए ताकि वे अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।

कांग्रेस नेता थरूर ने पहले पूछे तीखे सवाल, फिर बोले यही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती के चर्चे पूरी दुनिया में सुनाई देते हैं। यहां के नेता आपस में खूब लड़ते हैं,विधानसभा में एक दूसरे के कपड़े फाड़ते नजर आते हैं लेकिन जब मामला किसी दूसरे देश का आता है तो सब मिलकर उसका मुकाबला करते हैं। यहीं भारत का मजबूत लोकतंत्र है। इसका एक उदाहरण हाल में दिखाई दिया। दरअसल, संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति के सामने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मौजूद थे। संसद की इस स्थायी समिति के अध्यक्ष कांग्रेस नेता शशि थथूर है। शशि थरूर तिरुवनंतपुरम से सांसद और वह पूर्व विदेश राज्य मंत्री हैं। शशि थरूर अंतरराष्ट्रीय मामलों के बड़े जानकार माने जाते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र में भी भारत के स्थायी प्रतिनिधि भी रह चुके हैं। एक बार उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद का चुनाव भी लड़ा था।

विदेश मामलों की स्थायी समिति ने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रहे संघर्ष और अन्य वैश्विक मसलों को लेकर सरकार के रुख को जानने के लिए मिस्री को बुलाया था। इस मीटिंग में शशि थरूर और समिति के सदस्यों ने मिस्री से तीखे सवाल किए। मिस्री ने भी सभी सवालों के विस्तार से जवाब दिए।

मिस्री के साथ सवाल-जवाब के बाद शशि थरूर ने एक ट्विट किया है। उन्होंने लिखा कि मिस्री के साथ सवाल-जवाब का दौरा शानदार रहा। तमाम मुद्दों पर उन्होंने सरकार का पक्ष रहा। विदेश सचिव और भारतीय कूटनीति का धन्यवाद। विपक्ष के नेता होने के बावजूद शशि थरूर का देश के अधिकारियों की तारीख करना काफी सुखद है। यही अपने देश के लोकतंत्र की खूबसूरती है। यही खूबसूरती हमें पाकिस्तान, चीन और अन्य देशों से अलग करती है। दरअसल, यह भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है। यह संसदीय परंपरा की खूबसूरती है। तमाम मसलों पर लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों की समिति होती है। इस समितियों के पास बहुत शक्ति होती है। वे सरकार या देश के किसी भी अधिकारी या व्यक्ति को जवाब देने के लिए बुला सकती हैं। सरकार का यह दायित्व होता है कि इन समितियों को वह अपनी तमाम नीतियों की जानकारी दे। ये समितियां इन्हीं इनपुट्स के आधार समय-समय पर संसद को अपनी रिपोर्ट देती है। इन रिपोर्ट में वह विभिन्न मसलों पर सरकार को जरूरी कदम उठाने का भी सुझाव देती है।

बिश्नोई समुदाय ने सलमान-सलीम खान का पुतला जलाया... माफी मांगे वरना

मुंबई । लॉरेंस बिश्नोई गैंग अभिनेता सलमान खान के पीछे हाथ धोकर पड़ी है। बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। बीते दिनों लॉरेंस के कजिन ने कहा था कि बिश्नोई समाज लॉरेंस के साथ खड़ा हुआ है। इसी बीच अब बिश्नोई समुदाय ने सलमान-सलीम खान का पुतला जलाया है। उन्होंने सलीम खान के उस बयान पर नाराजगी जाहिर की हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि काला हिरण शिकार मामले में उनका बेटा निर्दोष है। इसके बाद बिश्नोई समाज ने अपना विरोध दिखाकर अभिनेता और उनके पिता का पुतला जलाया। साथ ही सलमान खान काला हिरण शिकार मामले में माफी मांगने को कह दिया है। हाल ही में बिश्नोई समाज ने जोधपुर में विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बिश्नोई समाज के लोगों ने बताया कि अगर सलमान ने काले हिरण का शिकार नहीं किया तब उनका केस लड़ने के लिए दिल्ली, मुंबई और जोधपुर से वकील क्यों बुलाए गए। उन्होंने सलमान के खिलाफ प्रदर्शन कर चेतावनी दी कि अगर सलमान माफी नहीं मांगते तब सनातन हिंदू समाज की ओर से आंदोलन किया जाएगा। बिश्नोई समाज ने कहा कि सलमान खान के पिता ने दावा किया है कि उनके बेटे ने काले हिरण का शिकार नहीं किया। हम उन्हें बताना चाहते हैं कि हम बिश्नोई हैं, हम किसी को यूं ही बदनाम नहीं करते। उन्होंने कहा कि सलमान खान इस तरह गलत बयान देकर लोगों को झूठ नहीं बोल सकते।

बता दें कि साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म हम सात साथ है की राजस्थान में शूटिंग हुई थी। शूटिंग के बाद सलमान और कुछ सितारों के ऊपर काले हिरण के शिकार का आरोप लगा था हालांकि इस मामले में भाईजान को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया है, हालांकि बिश्नोई समाज अब भी दंबग खान से नाराज है और वह चाहता है कि सलमान उनसे माफी मांगे।

गिरिराज सिंह के खिलाफ ओवैसी ने खोला मोर्चा, किशनगंज में किया परिवाद दायर

किशनगंज। अपने बयानों से सियासी चौपाल पर चर्चा में रहने वाले एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ओवैसी की तरफ से किशनगंज कोर्ट में परिवाद दायर करने वाले वकील ने का कहना है की किशनगंज दौरे के दौरान गिरिराज सिंह ने जनसभा में भड़काऊ भाषण दिए और यहां की जनता की भावनाओं को आहत किया। आरोप लगाते हुए कहा है कि जनता की भावनाओं को चोट पहुंचाई है बल्कि हमारे हिंदू भाईयों को भड़काने का काम किया है। वकील ने बताया कि सैक्सन 196, 197, 199, 302 भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कराया गया है और अदालत के समक्ष वीडियो साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। बता दें कि एआईएमआईएम पार्टी से जुड़े इम्तियाज आलम ने न्यायालय में परिवाद दायर किया है। शम्स आजाद ने कहा कि हिंदू स्वाभिमान यात्रा के दौरान सभा में मौजूद लोगों को भड़काने की नीयत से आपराधिक साजिश के तहत उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठ के साथ-साथ हमारी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बयान दिए थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने रायपुर के जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

रायपुर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार सुबह राजधानी रायपुर में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति मुर्मू शुक्रवार से छत्तीसगढ़ राज्य के दो-दिवसीय दौरे पर हैं। राज्स सरकार के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और सुभद्रा जी की पूजा-अर्चना की और देशवासियों की खुशहाली, समृद्धि और प्रगति के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने बताया कि उनके साथ राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के तीन साल बाद वर्ष 2003 में पुरी (उड़ीसा) के जगन्नाथ मंदिर की तरह भगवान जगन्नाथ मंदिर का निर्माण किया गया। मंदिर का मुख्य ढांचा ऊंचे चबूतरे पर बना है।

इतना ही नहीं अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में उड़ीसा से लाई गई नीम की लकड़ी से बनी मूर्तियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति भिलाई के लिए रवाना हुई, जहां वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भिलाई के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू बाद में राजधानी रायपुर लौटेगी और नवा रायपुर में पंडित दीनदयाल मेमोरियल स्वास्थ्य विज्ञान और आयुष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

मैरिंगो सी.आई.एम.एस. हॉस्पिटल ने अंगों के प्रत्यारोपण के लिए एक पसंदीदा स्थान के रूप में उभरने के मामले में बड़ी उपलब्धि प्राप्त की

अहमदाबाद। एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थान, मैरिंगो सी.आई.एम.एस. अस्पताल, जो चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी अधिकतम अनुकूलित प्रगति के लिए प्रसिद्ध है, गर्व से अंगों के प्रत्यारोपण के अपने कार्यक्रमों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा कर रहा है। यह अस्पताल दिल, फेफड़े, किडनी, यकृत और अस्थि मज्जा के अंग प्रत्यारोपण के लिए एक पसंदीदा स्थान के रूप में उभरकर सामने आया है। दिल के 54 प्रत्यारोपण, फेफड़े के 06 प्रत्यारोपण, किडनी के 124 प्रत्यारोपण, यकृत के 64 प्रत्यारोपण और अस्थि मज्जा के 240 से अधिक प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक करने के साथ, इस अस्पताल ने अंगों के प्रत्यारोपण के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को स्थापित किया है, जो पूरी दुनिया के रोगियों को आशा और जीवन बचाने वाले उपचार प्रदान करता है। दिल और फेफड़े के प्रत्यारोपण का नेतृत्व डॉ. धीरेन शाह, निदेशक-हृदय-फेफड़े प्रत्यारोपण कार्यक्रम और मैकेनिकल सर्कुलेटरी (एम.सी.एस.) कार्यक्रम द्वारा किया जाता है, किडनी के प्रत्यारोपण का नेतृत्व डॉ. सिद्धार्थ मवाणी निदेशक-नेफ्रोलॉजी और किडनी प्रत्यारोपण द्वारा किया जाता है, लिवर के प्रत्यारोपण का नेतृत्व डॉ. पुनीत सिंगला, निदेशक-गैस्ट्रो सर्जरी और लिवर प्रत्यारोपण द्वारा किया जाता है, वयस्कों के अस्थि मज्जा के प्रत्यारोपण का नेतृत्व डॉ. अंकित जितानी, सलाहकार, हेमाटोलॉजी, रक्त और मज्जा प्रत्यारोपण द्वारा किया जाता है, और बाल रोगियों के अस्थि मज्जा के प्रत्यारोपण डॉ. हेमंत मेंघानी सलाहकार - बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी हेमाटोलॉजी और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण द्वारा किया जाता है।

अंगों के प्रत्यारोपण में प्रमुखता वाली सफलतायें, मैरिंगो सी.आई.एम.एस. हॉस्पिटल की सफलता का आधार इसके अत्याधुनिक आधारभूत ढाँचे और अत्यंत कुशल प्रत्यारोपण टीम है, जिसमें कुछ अत्यंत प्रतिष्ठित सर्जन, विशेषज्ञ और चिकित्सक शामिल हैं। इस अस्पताल का व्यापक प्रत्यारोपण कार्यक्रम किडनी, गुर्दे, दिल, फेफड़े और अनेक प्रकार के अंगों के प्रत्यारोपण को शामिल करता है, जिसमें अंगों की 3ष्ठ प्रिंटिंग, रोबोट की सहायता से सर्जरी और अंगों के संरक्षण की अभिनवकारी तकनीकों सहित नवीनतम तकनीकों का उपयोग किया जाता है। भारत में दिल के प्रत्यारोपणों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है, और गुजरात इस मामले में सबसे आगे रहने वाले राज्यों में से एक राज्य के तौर पर उभरा है। यहाँ दिल के प्रत्यारोपण की बढ़ती हुई सफलता इस राज्य के दूरदर्शी स्वास्थ्य सेवा के आधारभूत ढाँचे, कुशल सर्जन और ज़रूरतमंद मरीज़ों को उपचार के अत्याधुनिक विकल्प प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। समर्पित चिकित्सा टीमों के साथ मिलकर काम करने, ऑपरेशन के बाद की देखभाल में प्रगति होने और अंगों को दान करने के बारे में लोगों के बीच अधिक जागरूकता के साथ, गुजरात दिल के प्रत्यारोपण में नए मानक स्थापित कर रहा है, जो अंतिम चरण की दिल की बीमारी से पीड़ित रोगियों को नई उम्मीद और दूसरा मौका प्रदान करता है।

डॉ. धीरेन शाह, निदेशक-हृदय-फेफड़े प्रत्यारोपण कार्यक्रम और मैकेनिकल सर्कुलेटरी (एम.सी.एस.) कार्यक्रम कहते हैं, "हम इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए बेहद खुश हैं। अंगों का प्रत्यारोपण एक जीवन को बदलने वाली प्रक्रिया होती है, और विश्वस्तरीय देखभाल प्रदान करने के लिए हमारी टीम का समर्पण न जाने कितने ही रोगियों के जीवन को बदलने में महत्वपूर्ण रहा है। हम निरंतर अभिनवता और रोगी पर आधारित देखभाल के तरीकों को अपनाकर प्रत्यारोपण की सेवाओं के स्तर को ऊपर उठाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।"

कमजोर पड़ने से पहले बंगाल और ओडिशा दर्द दे गया दाना, बंगाल में चार लोगों की मौत

-ओडिशा में 1.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात दाना के शनिवार रात तक कमजोर होने की संभावना है, लेकिन इसके पहले दाना ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में व्यापक नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग के अनुसार, दाना के चलते पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान, दक्षिण 24 परगना, कोलकाता और हावड़ा में चार लोगों की मौत हुई है।

ओडिशा में स्थिति थोड़ी बेहतर रही है, जहां किसी की जान नहीं गई, लेकिन तूफान और बारिश ने 1.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद कर दी हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने बताया कि तूफान के आने से पहले 8 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

साइक्लोन दाना का असर आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में दिखाई दिया है। बिहार और झारखंड में बारिश जारी है, जबकि झारखंड में तापमान 6 डिग्री

सेल्सियस गिर गया है। अगले 24 घंटों में बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में और बारिश का अनुमान है।

ओडिशा में सबसे अधिक नुकसान केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर में हुआ है। तेज हवाओं के कारण कई पेड़ उखड़ गए हैं और बिजली के खंभे टूट गए हैं, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई है। वहीं बंगाल के दक्षिणी हिस्से में भी भारी बारिश हुई, जहां कोलकाता में 24 घंटे में 4 इंच बारिश दर्ज की गई। बिहार में चक्रवात दाना का असर दिवाली तक जारी रहने की संभावना है। अगले कुछ दिनों तक राज्य के 19 जिलों में बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है।

फेमिना मिस इंडिया 2024: नारायण ज्वैलर्स के साथ ग्लैमर और शिल्प कौशल का भव्य उत्सव

फेमिना मिस इंडिया 2024 प्रतियोगिता इस साल और भी शानदार रही, इसके लिए नारायण ज्वैलर्स के साथ प्रतिष्ठित सहयोग का धन्यवाद - एक आधुनिकतावादी पारंपरिक लक्जरी डिजाइनर ब्रांड (वडोदरा का), जो इस विरासत कार्यक्रम के लिए आधिकारिक ताज और आभूषण भागीदार है। 1940 के दशक की विरासत के साथ, नारायण ज्वैलर्स ने आठ दशकों से अधिक समय उत्कृष्ट कृतियों को बनाने में बिताया है जो विलासिता, सटीकता और कालातीत सुंदरता का प्रतीक हैं।

नारायण ज्वैलर्स की समृद्ध विरासत फेमिना मिस इंडिया की भव्यता के साथ सहजता से मेल खाती है, जहां उन्होंने खिताब विजेता और दो उपविजेता के लिए डॉ. बनाया है। केतन और श्री. जतिन चोकसी द्वारा डिज़ाइन किए गए तीन मुकुटों का अनावरण किया गया - प्रत्येक शिल्प कौशल उत्कृष्टता और कलात्मकता के प्रति ब्रांड के समर्पण का प्रमाण है। इस महत्वपूर्ण सहयोग का जश्न मनाने के लिए, नारायण ज्वैलर्स ने वडोदरा में अपने प्रमुख स्टोर में इस विशिष्ट मुकुट का अनावरण करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां तीन विजेता - फेमिना मिस इंडिया 2024, सुश्री निकिता पोरवाल और प्रथम और द्वितीय उपविजेता सुश्री रेखा पांडे और सुश्री आयुषी इसे धो दें। अपना आकर्षक रत्नजड़ित मुकुट पहनकर उपस्थित हों।

भारत ने मांगा निज्जर का मृत्यु प्रमाण पत्र, कनाडा ने कर दिया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी हरदीप सिंह की हत्या के मामले में कनाडा ने भारत से संबंध खराब कर लिए। वो आतंकी जो इस दुनिया में नहीं है इसके बाद भी कनाडा उसकी तरफदारी करने से बाज नहीं आ रहा है और लगातार झूठ बोल रहा है। पहले उसने बिना कोई सबूत दिए भारत पर निज्जर की हत्या करवाने का आरोप लगाया। इसके बाद जब भारतीय जांच एजेंसी एनआईए ने हाल ही में कनाडा से उसके मृत्यु प्रमाणपत्र की मांग की तो वह भी देने से इनकार कर दिया।

निज्जर की हत्या ने भारत और कनाडा के बीच एक कूटनीतिक विवाद को जन्म दिया। कनाडा ने भारतीय एजेंसियों की संलिप्तता का आरोप लगाया। भारत ने इस तुरंत खारिज कर दिया और कनाडा से सबूत की मांग की। यह विवाद हाल ही में तब बढ़ गया जब कनाडा ने निज्जर हत्या की जांच में वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों पर इसमें दिलचस्पी लेने के आरोप लगाए। भारत ने उन राजनयिकों को वापस बुला लिया।

खास बात यह है कि जून 2023 में न्यूयॉर्क में पन्नू की जान लेने का प्रयास किया गया था। अमेरिका ने एक भारतीय अधिकारी की संलिप्तता का दावा किया। पिछले हफ्ते एक अनसील्ड आरोप पत्र से पता चला कि अमेरिका ने विकाश यादव के खिलाफ आरोप लगाया है। यादव को भारत की अनुसंधान और विश्लेषण विंग (रॉ) का पूर्व अधिकारी बताया गया है। सूत्रों का कहना है कि भारत के द्वारा की गई इसकी मांग पर कनाडाई अधिकारियों ने कुछ सवाल उठाए। कनाडा ने पूछा कि भारत को अपने नागरिक का मृत्यु प्रमाणपत्र मांगने का अधिकार क्यों होना चाहिए। एक अधिकारी ने कहा कि इसके बाद उन्होंने निज्जर का मृत्यु प्रमाणपत्र साझा करने से इनकार कर दिया।

बता दें कि हरदीप सिंह निज्जर भारतीय मूल का कनाडाई नागरिक था। जून में उसकी हत्या कर दी गई। निज्जर पर भारत में एनआईए द्वारा जांच किए जा रहे नौ मामलों में आरोप लगाए गए थे। एनआईए ने कनाडा से निज्जर के मृत्यु प्रमाणपत्र की इसलिए मांग की थी ताकि भारत की अदालतों में उसके खिलाफ जारी मामलों में कोर्ट को इस बात से अवगत कराया जाए। एनआईए को अभी तक एक और खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू (अमेरिकी नागरिक) के खिलाफ इंटरपोल का रेड-कॉर्नर नोटिस प्राप्त करने में सफलता नहीं मिली है। एनआईए पन्नू के खिलाफ खालिस्तान आतंक के छह मामलों की जांच कर रही है और उसने अब तक चंडीगढ़, अमृतसर और पठानकोट में उनकी तीन संपत्तियों को

आतंकवाद के आय के रूप में अटैच किया है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिक्स नेता लोकतांत्रिक, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं : पुतिन

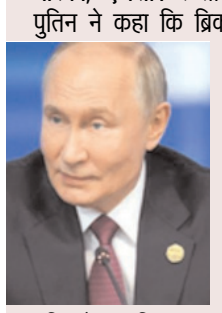

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स देश एक अधिक लोकतांत्रिक और बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह बयान 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आखिरी दिन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। पुतिन ने कहा कि इस सम्मेलन में पारित कजान घोषणा पत्र भविष्य के लिए एक सकारात्मक दिशा देता है। इसमें यह दोहराया गया है कि सभी ब्रिक्स देश एक लोकतांत्रिक, समावेशी और बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर आधारित हो। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने यह भी बताया कि ब्रिक्स समूह उन सभी के लिए खुला है जो इसके मूल्यों को साझा करते हैं। सभी सदस्य देश बाहरी दबाव के बिना आपसी सहयोग से समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रूसी राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि ब्रिक्स नेताओं ने ब्रिक्स के साझेदार देशों की सूची पर सहमति बनाई है। कुछ देशों ने इस संगठन में पूरी तरह से शामिल होने की इच्छा जताई है और अपनी प्रस्तावनाएं दी हैं। पुतिन ने यह भी बताया कि हालांकि ब्रिक्स देशों ने स्विफ्ट के विकल्प के रूप में कोई प्रणाली नहीं बनाई है, लेकिन वे राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग की दिशा में बढ़ रहे हैं। फिलहाल ब्रिक्स देशों के बीच रूस के सेंट्रल बैंक द्वारा विकसित फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम का उपयोग हो रहा है।

बढ़ते आतंकवादी खतरों के कारण तुर्की के हवाई अड्डे अलर्ट पर - मीडिया

इस्तांबुल, एजेंसी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक दिन पहले दिन अंकारा में आतंकवादी हमले में पांच लोगों की मौत और 22 घायल होने के बाद तुर्की ने गुरुवार को सभी हवाई अड्डों पर अलर्ट का स्तर बढ़ाकर ऑरेंज कर दिया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने तुर्की प्रसारक एनटीवी के हवाले से बताया कि नागरिक विमानन महानिदेशालय ने संभावित आतंकवादी खतरों के जवाब में सभी हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने का निर्देश जारी किया है। इस निर्णय के बाद इस्तांबुल के दो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों, सबिहा गोकसेन और इस्तांबुल हवाई अड्डे पर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। दोनों हवाई अड्डों ने अपनी वेबसाइटों पर यात्रियों को कड़ी सुरक्षा के कारण होने वाली देरी से बचने के लिए प्रस्थान के समय से कम से कम तीन घंटे पहले पहुंचने की सलाह दी है। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बुधवार को घोषणा की कि तुर्की की एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी तुसास पर घातक हमला संभवतः प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) द्वारा किया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि दोनों हमलावर एक पुरुष और एक महिला मारे गए हैं। सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए तुर्की में विमानन में तीन अलार्म स्तर येलो, ऑरेंज और रेड हैं। येलो स्तर संभावित खतरों के कारण बढ़े हुए जोखिम का संकेत देता है, जिससे बिना किसी बड़े बदलाव के सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाते हैं। रेड स्तर एक आसन्न खतरे के साथ एक गंभीर जोखिम का संकेत देता है, जिसमें निकासी, लॉकडाउन और व्यापक सुरक्षा उपायों जैसे आपातकालीन प्रोटोकॉल को लागू किया जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के सर्वेक्षण में ट्रंप, हैरिस से मामूली बढ़त पर आगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर जारी एक सर्वेक्षण में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार और अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस से मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। अमेरिकी अखबार 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' द्वारा किये गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप, हैरिस से दो प्रतिशत अंक यानी 47 प्रतिशत से 45 प्रतिशत आगे हैं। 'सीएनबीसी ऑल-अमेरिका इकोनॉमिक सर्वे' के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से 48 प्रतिशत से 46 प्रतिशत की बढ़त बनाए हुए हैं, जो अगस्त से अपरिवर्तित है। समाचार चैनल ने बताया कि अमेरिका के अहम सात राज्यों में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप हैरिस से 48 प्रतिशत से 47 प्रतिशत आगे हैं। अमेरिका के सभी प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों पर नजर रखने वाले 'रियलक्लियरपॉलिटिक्स' के अनुसार, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रीय स्तर पर ट्रंप से 0.3 प्रतिशत अंकों की मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। दूसरी ओर, देश के अहम सात राज्यों में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार 0.9 प्रतिशत अंकों से आगे हैं। ये अहम सात राज्य एरिजोना, नेवादा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, उत्तरी कैरोलाइना और जॉर्जिया हैं। इन राज्यों के बारे में माना जाता है कि यहां के मतदाताओं का रुझान बदलता रहता है। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान होगा।

कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर लोगों की मौलिक स्वतंत्रता छीनने का लगाया आरोप

पेंसिल्वेनिया, एजेंसी। राष्ट्रपति चुनाव में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है. चुनाव प्रचार जोरों पर है. इसी क्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा है कि वह सभी अमेरिकियों की नेता बनेगी. जॉर्जिया में चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए हैरिस ने कहा कि वह पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से लोकतंत्र के भविष्य के बारे में अपनी चिंताओं के बारे में बोलते हुए देख रही हैं.

अमेरिका में दो सप्ताह से भी कम समय में चुनाव होने वाले हैं, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरे कार्यकाल के लिए और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस व्हाइट हाउस में अपने पहले कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ रही हैं. कमला हैरिस ने कहा कि अमेरिकी एक ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं जो देश का नेतृत्व आशावादी तरीके से करे और उनके सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करे. उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर लोगों की मौलिक स्वतंत्रता छीनने का आरोप लगाया. सर्वेक्षणों में लैंगिक अंतर के मुद्दे पर उनके विचारों के बारे में पूछे जाने पर और उन्हें क्यों लगता है कि महिलाओं के बीच ट्रंप के मुकाबले उन्हें अधिक समर्थन प्राप्त है, हैरिस ने जवाब दिया कि मुझे आपके साथ ईमानदार होना होगा, यह वह नहीं है जो मैं अपनी रैलियों के संदर्भ में, समुदायों में

और जमीन पर लोगों के साथ होने वाली बातचीत के संदर्भ में देखती हूं. मैं जो देख रही हूं वह यह है कि पुरुष और महिलाएं समान रूप से हमारे लोकतंत्र के भविष्य के बारे में अपनी चिंताओं के बारे में बात कर रहे हैं; इस तथ्य के बारे में बात कर रहे हैं कि वे एक ऐसे राष्ट्रपति चाहते हैं जो आशावादी होकर नेतृत्व करे और हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करे, चाहे वह किराने की कीमतों की बात हो या छोटे व्यवसायों में निवेश करना हो या घर का स्वामित्व हो. उन्होंने आगे कहा कि इसलिए, मैं वास्तव में उस तरह की असमानता नहीं देख रही हूं, और मेरा इरादा सभी अमेरिकियों के लिए राष्ट्रपति बनने का है. इसमें डोनाल्ड ट्रंप के कारण छीनी गई एक मौलिक स्वतंत्रता पर ध्यान देना शामिल है (एक महिला की अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने की स्वतंत्रता) और, समान रूप से, अमेरिका में व्यक्तियों और परिवारों की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना और वैश्विक मंच पर अपनी ताकत और स्थिति को बनाए रखने के संदर्भ में हमें क्या करना चाहिए. उन्होंने सीमा मुद्दे पर भी बात की और कहा कि अमेरिकी सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संसाधन लगाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है. हैरिस ने वचन दिया कि अगर वह निर्वाचित होती हैं तो वह द्विदलीय सीमा सुरक्षा विधेयक लाएंगी और उस पर हस्ताक्षर करके उसे कानून बना देंगी. जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके प्रशासन में दक्षिणी सीमा दीवार का निर्माण जारी रहेगा, तो हैरिस ने कहा कि मैं आपको बता दूंगी कि मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करने के लिए संसाधन लगाना है कि हमारी सीमा सुरक्षित है, यही कारण है कि मैं बहुत स्पष्ट रही हूं. मैं राष्ट्रपति के रूप में उस द्विदलीय सीमा सुरक्षा विधेयक को फिर से लाऊंगी और यह सुनिश्चित करूंगी कि इसे मेरे डेस्क पर लाया जाए ताकि मैं इसे कानून बना सकूं. उन्होंने आगे कहा कि अभी हमारे सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि डोनाल्ड ट्रंप उस बड़ी समस्या के समाधान के रास्ते में खड़े हो गए हैं, जो यह है कि अमेरिका में एक टूटी हुई आव्रजन प्रणाली है, और हमें इसे ठीक करने की आवश्यकता है. और हमारे पास उपकरण हैं, लेकिन हमारे पास इस चुनाव के दूसरे पक्ष में डोनाल्ड ट्रंप हैं, जो समस्या को ठीक करने के बजाय समस्या पर चलना पसंद करेंगे. मैं समस्या को ऐसे तरीके से ठीक करने का इरादा रखता हूं जो व्यावहारिक समाधान के बारे में हो, जो हमारी पहुंच में हो, अगर हमारे पास ऐसा करने की प्रतिबद्धता है. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कमला हैरिस गुरुवार (स्थानीय समय) को अटलांटा के पास एक स्टार-स्टडेड रैली में जॉर्जिया में पहली बार पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ प्रचार करेंगी. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रूस स्प्रिंगस्टीन, जिनके संगीत ने डेमोक्रेटिक पार्टी के कई राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को प्रभावित किया है, गेट-आउट-द-वोट कॉन्सर्ट में प्रदर्शन करेंगे. रिपोर्ट में कहा गया है कि अभियान अधिकारियों के अनुसार, हैरिस शनिवार को मिशिगन में पूर्व अमेरिकी प्रथम महिला मिशेल ओबामा के साथ दिखाई देंगी.

जुलाई में बराक ओबामा और मिशेल ओबामा ने हैरिस का समर्थन किया था और अगस्त में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में दोनों ने ही इस पर टिप्पणी की थी. गुरुवार को फिलाडेल्फिया में पत्रकारों से बात करते हुए जब ओबामा और ब्रूस स्प्रिंगस्टीन से समर्थन मिलने के बारे में पूछा गया, तो हैरिस ने कहा कि वह अपने अभियान कार्यक्रमों में उन्हें पाकर सम्मानित महसूस कर रही हैं.

हम युद्ध रोकने को तैयार... याह्या सिनवार की हत्या के बाद नरम पड़ा हमास, इजरायल करेगा बात

गाजा, एजेंसी। बीते साल अक्टूबर से गाजा जारी तबाही रोकने के प्रयास लंबे समय से चल रहे हैं। हालांकि अब जाकर इजरायल ने गाजा में सीजफायर को लेकर हमास के साथ चर्चा करने पर सहमति जताई है। इजरायल ने गुरुवार को कहा है कि इस बातचीत में उसके चीफ हिस्सा लेंगे। वहीं हमास ने कहा है कि अगर सहमति बन जाती है तो वह अपनी तरफ से युद्ध बंद कर देगा। कई बार युद्धविराम को लेकर प्रयास होने के बाद भी अब तक हमास और इजरायल में सहमति नहीं बन पाई। वहीं हमास नेता याह्या सिनवार के बाद अमेरिका ने एक बार फिर इजरायल से कहा कि अब युद्ध को खत्म कर देना चाहिए। हमास के एक सीनियर नेता ने कहा कि गुरुवार को काहिरा में दोहा के हमास पदाधिकारियों ने एजिप्ट के साथ चर्चा की है। उसने बताया, हमास ने युद्ध को रोकने की बात कही है लेकिन इजरायल को भी युद्धविराम का पालन करना होगा। इसके अलावा गाजा में मानवीय सहायता को इजाजत देनी होगी और फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना होगा। इसके बदले में बंधकों की रिहाई की जाएगी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एजिप्ट के इस प्रयास की सराहना की है और कहा है कि जल्द ही बंधकों की रिहाई को लेकर भी फैसला हो सकता है। काहिरा में बैठक के बाद नेतन्याहू ने मोसाद चीफ को बात करने के लिए भेजा है। इससे पहले अमेरिका और कतर ने कहा था कि गाजा सीजफायर की चर्चा दोहा में होगी। अमेरिकी वदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन गुरुवार को दोहा पहुंचे हैं। इजरायल और अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि युद्धविराम की डील के बीच में सिनवार बहुत बड़ा रोड़ा था। अब 97 बंधकों की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक इजरायली संगठन ने कहा है कि हमास और नेतन्याहू को बाकी बचे बंधकों की सुरक्षित रिहाई पर सहमति जतानी चाहिए।

इजरायल ने सीरिया में किए हवाई हमले, एक की मौत, सात घायल

दमिश्क, एजेंसी। इजरायल ने एक बार फिर सीरिया में हवाई हमला किया है, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई है, जबकि सात लोग घायल हुए हैं। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इजरायल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क और मध्य प्रांत होम्स में स्थित एक सैन्य स्थल पर गुरुवार को हवाई हमला किया। इस हमले में एक सैनिक की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये हवाई हमले स्थानीय समयानुसार सुबह 3:40 बजे के करीब गोलान हाइट्स और उत्तरी लेबनान की दिशा से किए गए थे। दमिश्क के काफर सौसा में दो सैन्य स्थल और होम्स के ग्रामीण इलाके में स्थित एक सैन्य स्थल को निशाना बनाया गया है।

मंत्रालय ने बयान में विस्तार से बताया कि इन हमलों में काफी नुकसान हुआ है। इससे पहले दिन में दमिश्क के क्षेत्र में बड़े विस्फोटों की आवाजें सुनाई दी। वहीं, रिपोर्ट में बताया गया है कि काफर सौसा में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया है। ज्ञात हो कि इजरायल ने सीरिया में कई सालों से ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया है। हालांकि, सीरिया और ईरान सरकारों ने सीरिया में ईरानी सैन्य बलों या ठिकानों के अस्तित्व से इनकार किया है। इससे पहले इजरायल ने लेबनान के साथ तनाव बढ़ने के बाद सीरिया पर अपने हमले को और भी तेज कर दिया है।

पाकिस्तान में तालिबान ने फिर मचाया कत्ल-ए-आम, 10 पुलिसवालों को उतारा मौत के घाट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में तालिबानियों के बढ़ते उत्पात के बीच एक बार फिर आतंकियों ने पुलिस वालों को निशाना बनाया है। शुक्रवार को अफ़गान सीमा के पास दस पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वहीं 7 अन्य जवान घायल हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक हमला एक चेक पोस्ट पर हुआ। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के तालिबान ने ली है। एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, लगभग एक घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई। हमले के दौरान फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के दस जवान शहीद हो गए और सात घायल हो गए। लगभग 20 से 25 आतंकवादियों ने दक्षिण-पश्चिमी ख़ैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी की एक चौकी पर गोलीबारी शुरू कर दी। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ञ्ज्ञक्क) समूह ने जिम्मेदारी लेते हुए अपने बयान में कहा कि यह हमला वरिष्ठ नेता उस्ताद कुरैशी की हत्या का बदला था। पाकिस्तान की सेना ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक अभियान में नौ लोगों में कुरैशी भी शामिल था। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी अफगानिस्तान को बेस के रूप में इस्तेमाल करता है और सत्तारूढ़ तालिबान सीमा के पास आतंकियों को पनाह देता है। हालांकि तालिबान इससे इनकार करता है। अफगानिस्तान में तालिबान के

2021 में सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में ऐसे हमलों की तादाद बढ़ती जा रही है। तालिबान के पाकिस्तानी आतंकियों ने ज़्यादातर सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर हमले किए हैं। इससे पहले भी इस इलाके में आतंकवादियों ने पुलिस को नियमित रूप से निशाना बनाया है। इससे पहले अगस्त में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आतंकवादियों ने पुलिस टीम पर रॉकेट से हमला कर दिया था। इस हमले में कम से कम 11 पुलिसकर्मी मारे गए थे। आतंकियों ने कई पुलिसकर्मियों को बंधक भी बना लिया था। खबरों के मुताबिक पुलिसवालों की गाड़ी पर हमला तब हुआ जब पुलिस वैन कीचड़ भरी सड़क में फंस गई थी।

हमारी आस्था पर उठाए सवाल- जाकिर नाइक से अब पाकिस्तानी ईसाई नाराज, राष्ट्रपति जरदारी को लिखा पत्र, सरकार को घेरा

कराची, एजेंसी। पाकिस्तानी चर्च सिनड (धर्मसभा) के अध्यक्ष बिशप रेव. डॉ. आजाद मार्शल ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को हाल ही में लिखे पत्र में डॉ. जाकिर नाइक की यात्रा के दौरान ईसाई समुदाय और उनकी आस्था के बारे में की गई टिप्पणियों के बारे में अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने पत्र में सरकार द्वारा नाइक की टिप्पणियों को लेकर खेद व्यक्त न करने की आलोचना भी की। पाकिस्तान में बतौर राजकीय अतिथि आए डॉ. नाइक की यात्रा, जो पिछले सप्ताह संपन्न हुई। हालांकि विवादास्पद इस्लामिक उपदेशक का दौरा उनके कई बयानों की वजह से भारी विवादों में रहा। पाकिस्तान अखबर डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में डॉ मार्शल कहते हैं, डॉ जाकिर नाइक के सार्वजनिक भाषणों ने हमारे (ईसाई) समुदाय को काफी परेशान कर दिया है, क्योंकि उन्होंने खुले तौर पर हमारे विश्वास की प्रामाणिकता पर सवाल उठाया, हमारे पवित्र ग्रंथों को बदनाम किया और ऐसे बयान दिए जो ईसाई पादरियों और विद्वानों की मान्यताओं को कमजोर करते हैं। पत्र में कहा गया कि डॉ. नाइक की टिप्पणी ने

न केवल धार्मिक अपमान किया है, बल्कि सभी पाकिस्तानियों के राष्ट्रीय गौरव को भी कम किया, चाहे उनकी आस्था कुछ भी हो। पत्र में डॉ. नाइक की टिप्पणियों के बारे में खेद व्यक्त करने की औपचारिक कमी के लिए सरकार की आलोचना भी की गई क्योंकि इससे ईसाई समुदाय द्वारा महसूस की जा रही हाशिए पर होने की भावना और तेज हो गई, जबकि सरकार ने सभी के बीच धार्मिक सद्भाव और आपसी सम्मान बनाए रखने का बार-बार आश्वासन दिया है। डॉ. मार्शल ने पत्र में सरकार से अपील की कि वह ऐसी विभाजनकारी और हानिकारक घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए, खासकर राज्य के समर्थन में होने वाली ऐसी घटनाओं को भविष्य में होने से रोकें। डॉ. मार्शल ने कहा, डॉ. जाकिर नाइक की टिप्पणियां खुले मंचों पर की गईं, जहां हमारे पादरियों और विद्वानों को उनके गलत विचारों और सूचना का उचित तरीके से जवाब देने या उसे सही करने का अवसर नहीं दिया गया। डॉ. मार्शल ने डॉन को बताया कि पाकिस्तान के नागरिकों के रूप में, संविधान के अनुच्छेद 20 के तहत अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों की गारंटी दी गई है, जिसमें कहा गया है, प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म को मानने, उसका पालन करने और उसका प्रचार करने का अधिकार होगा। उन्होंने अनुच्छेद 36 का भी हवाला दिया, जो राज्य को अल्पसंख्यकों के वैध अधिकारों की रक्षा करने के लिए बाध्य करता है। डॉ. मार्शल ने राष्ट्रपति जरदारी से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए गंभीर कदम उठाएं कि इन संवैधानिक अधिकारों को बरकरार रखा जाए और किसी भी व्यक्ति द्वारा उनका उल्लंघन न किया जाए।

मॉडल स्टेसी ने ट्रंप पर लगाए छेड़छाड़ के आरोप, कहा- और पीड़ित भी सामने आएं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बेहद महत्वपूर्ण मोड़ पर, पूर्व मॉडल स्टेसी विलियम्स्स ने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर 1993 में उनके साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। 56 वर्षीय विलियम्स्स, जो 90 के दशक में एक पेशेवर मॉडल थीं, ने बताया कि वह उस समय दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के माध्यम से ट्रंप से मिली थीं। उनका दावा है कि यह घटना न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित ट्रंप टॉवर में हुई थी।

विलियम्स्स ने इस दुखद अनुभव का वर्णन करते हुए इसे ट्रंप और एपस्टीन के बीच एक विकृत खेल के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए आवाज उठाने का समय है जिन्होंने यौन उत्पीड़न का सामना किया है और अपने अनुभवों को साझा करने के लिए खुद को मजबूर महसूस कर रही हैं। यह आरोप पेंसिल्वेनिया के एक समूह, सर्वाइवर्स फॉर कमला, द्वारा आयोजित एक कॉल पर सार्वजनिक किया गया। यह समूह 2024 के चुनावों में डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन कर रहा है।

विलियम्स्स ने इस मंच का उपयोग करते हुए अपने अनुभव को साझा किया, जिससे इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़े।इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप और उनके अभियान ने इन आरोपों का खंडन किया है। जैसे-

जैसे चुनाव का समय निकट आ रहा है, राजनीतिक माहौल में यह आरोप और भी गरमाहट ला सकता है, और यह देखना होगा कि ट्रंप के विरोधी इस मामले का किस प्रकार उपयोग करते हैं। इस घटना ने फिर से उस चर्चा को जीवित कर दिया है कि यौन उत्पीड़न के मुद्दे राजनीति में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और आरोपी और पीड़ित के बीच का संतुलन कैसे निर्धारित होता है। इस मामले की आगे की कानूनी और राजनीतिक परिणामों पर सभी की नजरें बनी रहेंगी।

70 साल पीछे पहुंचा गाजा, युद्ध ने फिलिस्तीनी अर्थव्यवस्था को किया तबाहः यूएनएजेंसी चीफ

गाजा , एजेंसी। इजरायल हमास के बीच एक साल से जारी युद्ध ने गाजा पट्टी को 1950 के दशक की स्थिति में पहुंचा दिया। फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने यह बात कही। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूएन अधिकारी फिलिप लाजारिनी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संयुक्त राष्ट्र के एक नवीनतम अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध ने फिलिस्तीनी अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। गाजा की लगभग पूरी आबादी गरीबी में जी रही है, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्र 70 साल पीछे चले गए हैं। बता दें लाजारिनी संयुक्त राष्ट्र के नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के कमिश्नर जनरल हैं। लाजारिनी ने कहा, यह जितना लंबा चलेगा, लाखों लड़कियों और लड़कों को सीखने के माहौल में वापस लाने में उतना ही अधिक समय लगेगा, इन भारी नुकसानों को कम करने की चुनौतियां उतनी ही अधिक होंगी।

इससे पहले लाजारिनी ने उत्तरी गाजा में तत्काल लड़ाई को रोकने के लिए अपील की थी ताकि वहां फंसे नागरिकों तक मानवीय सहायता पहुंचाई जा सके। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि यूएनआरडब्ल्यूए के कर्मचारियों ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में भोजन, पानी या दवा नहीं मिलने की सूचना दी है। फिलिप लाजारिनी ने कहा, हर जगह मौत की गंध है, शव सड़कों पर या मलबे के नीचे पड़े हैं। शवों को हटाने या मानवीय सहायता प्रदान करने के मिशनों को अस्वीकार कर दिया गया है। यूएन एजेंसी चीफ ने आगे कहा, उत्तरी गाजा में लोग बस मरने का इंतजार कर रहे

हैं। वे खुद को अकेला, निराश और अकेला महसूस कर रहे हैं। वे एक घंटे से दूसरे घंटे तक जीते हैं, हर पल मौत से डरते हैं। लाजारिनी ने लिखा, उत्तरी गाजा में हमारे कर्मचारियों की ओर से, मैं तत्काल युद्धविराम की मांग कर रहा हूं, भले ही कुछ घंटों के लिए, ताकि उन परिवारों के लिए सुरक्षित मानवीय मार्ग सुनिश्चित हो सके जो क्षेत्र को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचना चाहते हैं। यह उन नागरिकों की जान बचाने के लिए न्यूनतम है जिनका इस संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं है। हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल में हमला किया था। हमले में करीब 1200 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 250 से अधिक लोगों कों बंधक बना लिया था। इसके बाद से इजरायल हमास के कंट्रोल वाली गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है।

धर्मनिरपेक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के निहितार्थ

आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग इन दो फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई है। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया।

(लेखक- -ललित गर्ग)

सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो हालिया फैसलों में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या करते हुए इसे और मजबूती दी है। असल में धर्मनिरपेक्षता को लेकर संविधान-निर्माताओं का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सहिष्णुता, समानता एवं बंधुत्व भाव से था, लेकिन बाद में यह शब्द भ्रामक हो गया और इसने धर्म के अस्तित्व को ही नकार दिया। राजनेताओं ने अपने-अपने हितों को साधने के लिये इस धर्मनिरपेक्षता शब्द के वास्तविक अर्थ एवं भावना को ही धुंधला दिया। सर्वोच्च अदालत ने बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया और स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है।

ध्यातव्य है कि 42वें संविधान संशोधन के बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया, लेकिन 'पन्थनिरपेक्ष' शब्द का प्रयोग भारतीय संविधान के किसी अन्य भाग में नहीं किया गया है। वैसे संविधान में कई ऐसे अनुच्छेद मौजूद हैं जिनके आधार पर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा जाता है क्योंकि भारत का संविधान देश के नागरिकों को यह विश्वास दिलाता है कि उनके साथ धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा। संविधान में भारतीय राज्य का कोई धर्म घोषित नहीं किया गया है और न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया गया है। इसका कारण भारत में अनेकों धर्म और सम्प्रदाय प्रचलित हैं। अतः संविधान निर्माताओं ने इसको धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में स्वीकार किया। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन् ने धर्म निरपेक्षता शब्द के व्यापक हार्द को स्पष्ट करते हुए कहा था- 'धर्मनिरपेक्ष होने का अर्थ अधर्मी होना अथवा संकुचित धार्मिकता पर चलना नहीं होता, वरन इसका अर्थ पूर्णतः आध्यात्मिक होना होता है। निरपेक्ष का अर्थ है कि राष्ट्र की ओर से किसी धर्म विशेष का प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा। सब धर्मों के प्रति समानता का व्यवहार किया जाएगा।' भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की यही विशेषता है कि इसमें किसी एक धर्म को मान्यता न देकर सभी धर्मों को समान नजर से देखा जाता है।

आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग इन दो फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई है। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया। हाईकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं बल्कि उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की है। लेकिन यहां एक प्रश्न यह भी है कि क्या मदरसे मुख्यधारा में आने को तैयार है? क्या मदरसे एक धर्म-विशेष से जुड़ा मामला नहीं है? अदालत का यह मानना कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढाला जाना चाहिये, उचित एवं संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या मदरसे अपने पाठ्यक्रम को संकीर्ण दायरों से बाहर निकाल कर व्यापक परिवेश में नया रूप दे पायेंगे? ऐसा होता है तो अदालत की सोच से भारत की एकता एवं अखण्डता को नयी ऊर्जा मिलेगी। फिर तो अदालत का दो टूक कहना कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंततः इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा, सही है। भारतीय समाज में सदियों से फल-फूल रही गंगा-जमुनी संस्कृति के पोषण देने के लिये सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों को समानता से, बंधुत्व भावना से एवं उदारता से ही देखा जाना चाहिए।

आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया। तब के इसी धर्म-निरपेक्ष शब्द के कारण आज विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती, जिसका परिणाम यही है कि आज विद्यार्थियों का सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण नहीं हो रहा है। मैंने अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी के साथ विभिन्न राजनेताओं, धर्मगुरुओं, साहित्यकारों, पत्रकारों की इस शब्द को लेकर चर्चाओं में सहभागिता की। व्यापक सोच वाले आचार्य तुलसी का विश्वास रहा कि हिन्दुस्तान सम्प्रदाय निरपेक्ष होकर अपनी एकता को बनाए रख सकता है किन्तु धर्महीन होकर एकता को सुरक्षित नहीं रख सकता। लोकतंत्रीय राष्ट्र पर किसी सम्प्रदाय अथवा पंथ का आधिपत्य हो तो वह अपने लोकतंत्रीय स्वरूप को सुरक्षित नहीं रख सकता। इसलिए लोकतंत्रीय राष्ट्र का सम्प्रदाय अथवा पंथ-निरपेक्ष होना अनिवार्य है। साम्प्रदायिक कट्टरता में सहिष्णुता नहीं होती है अतः राजनीति किसी सम्प्रदाय विशेष की अवधारणा से संचालित नहीं होनी चाहिए। इसलिये संविधान में धर्मनिरपेक्ष के स्थान पर सम्प्रदाय-निरपेक्ष, मजहब-निरपेक्ष अथवा पंथ-निरपेक्ष शब्द का प्रयोग होना चाहिए। सम्प्रदाय निरपेक्ष होने का तात्पर्य धर्मनिरपेक्ष, धर्महीन या धर्मविरोधी होना नहीं हैं।'

इसी कारण धर्मनिरपेक्ष शब्द के कारण राजनैतिक दलों के अलग-अलग खेमे बन गए। इससे धर्म विशेष को लेकर पार्टी के द्वारा वोटों की राजनीति चलने लगी। इसीलिये आचार्य श्री तुलसी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पी. वी. नरसिम्हाराव से इस संदर्भ में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा- ''जब तक सेक्युलर शब्द का सही अर्थ नहीं होगा, आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की समस्या नहीं सुलझ सकती।'' राजीव गांधी ने इस संदर्भ में नोट्स मांगे। उन्हें विस्तार से सारी बातें उपलब्ध कराई गईं। कुछ समय बाद संविधान में सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्मनिरपेक्ष बदलकर संप्रदायनिरपेक्ष कर दिया गया।' लेकिन संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गयी। इसीलिये संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि धर्मनिरपेक्षता संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। सर्वोच्च अदालत के फैसले से यह भी साफ हुआ कि संशोधन के द्वारा प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने का मतलब यह नहीं है कि इससे पहले धर्मनिरपेक्षता संविधान का अहम हिस्सा नहीं थी। चाहे समानता के अधिकार की बात हो या संविधान में आए बंधुत्व शब्द की या फिर इसके पार्ट 3 में दिए गए अधिकारों की, ये सब इस बात का साफ संकेत हैं कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल विशेषता है। अदालत ने यह भी कहा कि चाहे धर्मनिरपेक्षता हो या समाजवाद, इन्हें पश्चिम के संदर्भ में देखने की जरूरत नहीं। भारतीय परिवेश ने इन शब्दों, मूल्यों, संकल्पनाओं, अवधारणाओं को काफी हद तक अपने अनुरूप ढाल लिया है।

संपादकीय

समरसता की सोच

देश की सर्वोच्च अदालत ने अपने दो अहम फैसलों में स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। साथ ही यह भी कि भारतीय संदर्भ में यह सोच सदा से रची-बसी रही है। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने अपने दो हालिया फैसलों के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या की है। पहले बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया। वहीं अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता को लेकर अपनी सुविधा अनुसार व्याख्या नहीं की जा सकती। कोर्ट का निष्कर्ष यह भी था कि संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता शब्द जोड़े जाने से पहले भी यह भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण सोच रही है। अदालत का कहना था कि समानता व बंधुत्व शब्द इसकी मूल भावना को ही अभिव्यक्त करते हैं। वैसे भारतीय समाज ने इस शब्द के मूल भाव का सहजता से अंगीकार किया भी है। यही वजह है कि कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान का मूल स्वर बताते हुए इसकी संकुचित व्याख्या करने से बचने के लिये कहा। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। निस्संदेह, यह वक्त की जरूरत भी है। वहीं दूसरी ओर बीते मंगलवार को शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द करने के फैसले को भी अनुचित ठहराया। इसके बजाय कोर्ट ने ऐसे कदम उठाने की जरूरत बतायी जो मदरसों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ सकें। कोर्ट को मानना था कि ऐसे मामलों की की गई संकुचित व्याख्या से उत्पन्न होने वाली विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इससे पहले संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से तल्ख सवाल भी किए थे। कोर्ट न जानना चाहा कि क्यों उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परहेज है। इस बाबत याचिकाकर्ताओं की दलील थी कि उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परेशानी नहीं है। उन्हें राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतिक लक्ष्यों के लिये कालांतर संविधान संशोधन के जरिये इस शब्द को शामिल करने पर आपत्ति है। दरअसल, अदालत का कहना था कि भारतीय जीवन दर्शन में इस सोच का गहरे तक अंगीकार किया गया है। साथ ही कोर्ट ने मदरसा एजुकेशन एक्ट को रद्द करने को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के विपरीत बताया। यह भी कि इस शब्द की संकुचित व्याख्या के चलते ही उत्तर प्रदेश के हजारों मदरसों के लाखों छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया था। अदालत का मानना था कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढालना जाना चाहिये। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। अदालत ने दो टूक कहा भी कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंततः इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा।

महाराष्ट्र में कांग्रेस की उदारता भाजपा के लिए चिंता का विषय

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

महाराष्ट्र में 288 सीटों पर 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होना है। महायुति में सीटों के बंटवारे पर सहयोगी दलों के साथ सहमति पहले ही बन चुकी है। अब महा विकास अघाड़ी की बारी है। हालाँकि महा विकास आघाडी ने 85-85-85 सीटों का फ़ार्मूला निकाला था, बांकी बची हुई सीटों पर कांग्रेस लड़ना चाहती है, लेकिन उद्धव ठाकरे कांग्रेस को पूरी सीटें देना नहीं चाहते। वक़्त कोई भी हो सहयोगी दलों के साथ सीटों का बंटवारा बिल्कुल भी आसान नहीं होता। राजनीति पल - पल बदलती है, ख़ासकर राजनीति नम्बरों पर ही टिकी हुई होती है। हरियाणा की जीती हुई बाजी हारने के बाद कांग्रेस को महाराष्ट्र में बेहद कम सीटों पर संतुष्ट होना पड़ रहा है। जबकि महाराष्ट्र में भी कांग्रेस खासी मज़बूत स्थिति में है। जिस महाराष्ट्र में कभी कांग्रेस अपने दम पर सरकार चलाती थी, अब स्थिति ऐसी हो गई है कि गठबंधन के सहारे चलना कांग्रेस की मजबूरी बन गई है। पिछले कई चुनावों में शरद पवार के साथ मिलकर कांग्रेस लड़ती रही है, जबकि अब तो शरद पवार - और कांग्रेस के साथ उद्धव ठाकरे भी आ गए हैं। हालाँकि ज़्यादा मजबूत सहयोगियों के साथ अपनी महत्वाकांक्षाओं को सीमित करना ही पड़ता है। यही गठबंधन धर्म है जो कांग्रेस निभाती हुई दिख रही है। जो तात्कालिक हरियाणा हार की कीमत है जो महाराष्ट्र में चुकानी पड़ रही है। यही कीमत है जो हर बार कांग्रेस चुकाती है सिर्फ़ और सिर्फ़ अपने क्षेत्रीय नेताओ के कारण जो ख़ुद ही सबकुछ हासिल करना चाहते हैं।

कहाँ तो कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतकर महाराष्ट्र के महा विकास आघाडी में बड़े भाई की भूमिका चाहती थी, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा। हरियाणा हार - जाने के बाद कांग्रेस को भाजपा से सीधी टक्कर में बेहद कमज़ोर माना जा रहा है, कांग्रेस हरियाणा में भाजपा से सीधे टक्कर में थी यही कारण है कि हरियाणा हारने के बाद कांग्रेस को निधाना बनाया गया है। यही कारण है ये भी है कि शरद पवार - संजय राउत कांग्रेस के साथ अच्छी खासी बार्गेनिंग करके फायदा उठा रहे हैं। जबकि कांग्रेस की उदारवादी सोच भाजपा के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। हालाँकि कांग्रेस विधानसभा चुनाव में लोकसभा वाला शानदार प्रदर्शन नहीं दोहरा पा रही है। हरियाणा इसका एक बड़ा उदाहरण है, जहां पर जीती हुई बाजी पार्टी ने गंवाई है। अगर महाराष्ट्र की बात करें तो कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 16 सीटों पर चुनाव लड़ा जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 13 सीटें जीती हैं, यहां भी 11 सीटों पर उसने बीजेपी प्रत्याशी को मात दी थी। अतः अब संदेश देने का प्रयास हो रहा है कि बीजेपी को हराने में सिर्फ कांग्रेस सक्षम है। ऐसे में पार्टी को अगर फिर महाराष्ट्र में अपनी स्थिति मजबूत करनी है उसे हर कीमत पर अपने पारंपारिक वोटबैंक को मजबूत करना होगा। यानी कि पार्टी को दलित, मुस्लिम और आदिवासी वोटरों को अपने पाले में लाने के लिए भरपूर कोशिश करनी चाहिए। जिस तरह से इस बार के लोकसभा चुनाव ने मराठवाड़ा के मराठा आंदोलन ने कांग्रेस के पक्ष में हवा बनाई, फिर कुछ वैसा ही कमाल पार्टी को करना पड़ेगा। स्थानीय मुद्दों को आगे लेकर चलना होगा।

महाराष्ट्र में 85 सीटों पर लड़ने वाली कांग्रेस महाराष्ट्र में अपना सीएम नहीं बना पाएगी, अब तो यही लग रहा है। चूंकि पिछली बार कुछ ऐसी परिस्थितियां बनी कि सीएम पद तो उद्धव ठाकरे को दे दिया गया था क्योंकि समय की डिमांड कुछ ऐसी ही थी। अब जाहिर है कि कांग्रेस इस बार महाराष्ट्र में बड़े भाई की भूमिका में नहीं है, यही कारण है कि कांग्रेस महाराष्ट्र में वैसी नहीं दिख रही जैसी कांग्रेस कभी होती थी। महाराष्ट्र में भाजपा - कांग्रेस दोनों एक दूसरे को रोकने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं की बलि दे रहीं हैं, जहां बेहद कम सीटों वाले शिंदे को भाजपा ने सीएम बना दिया था। जबकि कांग्रेस ने अपने सिद्धांतो से समझौता करते हुए उद्धव ठाकरे को सीएम बना दिया था। देखा जाए तो हर राज्य का चुनाव दूसरे राज्यों से अलग होता है, सभी के मुद्दे अलग होते हैं। भाजपा महाराष्ट्र को हरियाणा की तरह जीतना चाहती है, जबकि महाराष्ट्र एवं हरियाणा में कुछ फर्क़ हैं जो कांग्रेस के लिए राहत की बात हैं। दरअसल कांग्रेस पार्टी हर बार आपसी खींचतान अंदरुनी कलह, गुटबाजी में अव्वल रही है, कांग्रेस में अनुशासन की भारी कमी दिखती रही है, जबकि भाजपा अपनी अंदरुनी मामलों को पहले ही निपटा लेती है। कांग्रेस की अंदरुनी कलह भाजपा के लिए हमेशा फायदे का सबब होती रही है। हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश इसके ताजा उदाहरण हैं।

हालाँकि कांग्रेस के लिए महाराष्ट्र में एक राहत की बात यह जरूर है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस किसी एक लोकल नेता पर निर्भर नहीं है। जैसे राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट को लेकर विवाद था, हरियाणा में हुड्डा बनाम शैलजा की जंग थी। एमपी में कमलनाथ की मनमानी थी। लेकिन महाराष्ट्र में तो उसके अलग-अलग इलाकों में अलग स्थानीय नेता सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। ऐसे में महत्वकांक्षा या सत्ता की वो रस्साकशी यहां देखने को नहीं मिलने वाली। उदाहरण के लिए लातूर में अमित देशमुख, गढ़चिरौली और चंद्रपुर में विजय वडेट्टीवार, भंडारा में नाना पटोले अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं, महाराष्ट्र में कांग्रेस नेताओ की अंदरुनी कलह जैसी कोई स्थिति नहीं है जबकि अभी सीएम बनने - बनाने की बात अभी दूर की बात है क्योंकि अभी महा विकास आघाडी चुनाव लड़ने पर फोकस करना चाहेगी। महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी का अपने नेताओं पर अंकुश पार्टी के लिए एक अच्छा संकेत है जबकि भाजपा के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है, क्योंकि भाजपा के लिए जीत की राहें यहीं से बनना शुरू होती हैं।

(चिंतन-मनन)

स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अत- स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पंसद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशांसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था। रावण को कई बार उसकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसीलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का का नाश हुआ।

विचार मंथन

देश में चल रहा ईडी के नाम पर ठगी का रैकेट

(लेखक-सनत जैन)

राजधानी दिल्ली में फर्जी ईडी अधिकारी बनकर करोड़ों की ठगी करने की कोशिश का मामला सामने आया है। हाल ही में दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके के फार्म हाउस में 7 लोगों ने फर्जी ईडी अधिकारी बनकर फार्म हाउस मालिक से पांच करोड़ रुपये की मांग की। यही नहीं ईडी के फर्जी अधिकारियों ने फार्म हाउस में घुसकर वहां के लोगों को डराया धमकाया और रातभर बंदी बनाकर रखा। गैंगस्टर की तरह उन्हें धमकाया और उनके साथ मारपीट भी की गई। उनके मोबाइल छुड़ा लिए गए। अपराधी गिरोह के सदस्यों की तरह बंदी बनाए गए लोगों को धमकाया गया। तथाकथित ईडी के अधिकारी फार्म हाउस पर रातभर रुके रहे। डरा धमकाकर सुबह बैंक में मलिक को बैंक में ले जाकर उससे रकम वसूलने की कोशिश की। इसी बीच फार्म हाउस के मालिक ने अपने वकील और दोस्तों को फोन कर दिया। बैंक अधिकारियों ने भी गेट बंद करने की कोशिश की। इससे घबराकर फर्जी ईडी के अधिकारी बैंक से बाहर निकल गए। उन्होंने अपने साथियों को फार्म हाउस में भी सूचना दे दी, वहां से वह भी भाग गए। फार्म हाउस के मालिक की सूझ-बूझ से इस घटना का पर्दाफाश हुआ। वह लुटने से बच गया। जब इसकी शिकायत पुलिस और ईडी के अधिकारियों को दी गई। ईडी के अधिकारियों ने छापे की कोई पुष्टि नहीं की। उसके बाद पुलिस ने लुटेरों को ढूंढने की कार्रवाई शुरू की। अभी तक पुलिस किसी को भी गिरफ्तार करने में सफल नहीं हो पाई है। यह घटना भारत में कानून और व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर करती है। भारत में जांच एजेंसी किस तरह से काम करती हैं। उनका किस तरह का भय आम लोगों के बीच है, यह उजागर होता है। इस घटना से स्पष्ट है कि ईडी के नाम पर ठगी का रैकेट देश के विभिन्न हिस्सों में किस तरह से चल रहा है। प्रवर्तन निदेशालय, जिसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक अपराधों और मनी लॉन्ड्रिंग पर नियंत्रण रखना है। ईडी को जांच और गिरफ्तारी के लिए विशेष अधिकार मिले हुए हैं। ईडी का भय और उसकी अपराधिक छवि गैंगस्टर की तरह बनती जा रही है। ईडी जिन लोगों को गिरफ्तार करती है और पिछले वर्षों में ईडी के अधिकारियों ने जिन्हें गिरफ्तार किया। उनमें बड़े-बड़े राजनेता, मुख्यमंत्री, मंत्री, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और बड़े-बड़े कारोबारी शामिल थे। उनकी कई महीने तक न्यायालय से जमानत नहीं हुई। जिसके कारण ईडी का भय आम लोगों में बड़ी तेजी के साथ फैल गया है। ईडी का नाम सुनते ही लोगों में डर और भय पैदा हो जाता है। ईडी के नाम का फायदा उठाकर अपराधी गिरोह भी बड़े पैमाने पर ठगी करने लगे हैं। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय और अन्य जांच एजेंसियों, जिनके पास व्यापक रूप से गिरफ्तारी के अधिकार हैं, उन जांच एजेंसी के अधिकारी किस तरह से लोगों को प्रताड़ित करते हैं। किस तरह से झूठे मामले बनाते हैं। अब यह बात किसी से छिपी हुई नहीं रही। समय-समय पर जांच एजेंसी के अधिकारी और कर्मचारियों के आचार-व्यवहार की जांच सरकार को करानी चाहिए। अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ताकि कोई व्यक्ति जांच एजेंसियों के नाम का दुरुपयोग ना कर सके। राजधानी दिल्ली के पास छतरपुर में इस तरह की घटनाओं का होना हर किसी को डराने के लिए पर्याप्त हैं। कानून व्यवस्था को सशक्त बनाने और लोगों के मन में जांच एजेंसियों को लेकर विश्वास बहाल करने के लिए सरकार को विशेष प्रयास करने होंगे। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह ईडी के अधिकारियों द्वारा वसूली किए जाने के मामले सामने आए हैं। उसके बाद से अपराधी गिरोह और ठग ईडी के अधिकारी बनकर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और ठगी करने लगे हैं। भारत में पिछले कुछ वर्षों में ठगी के मामले बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। गुजरात के गांधीनगर में हाल ही में नकली कोर्ट, नकली जज, नकली वकील और नकली फैसले से किस तरह से लोगों को ठगा जा रहा है। यह भी सामने आ चुका है। ऐसी स्थिति में सरकार को ठगी की इन घटनाओं को रोकने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। जिस तरह से ठगी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। उसके बाद सरकार की छवि पर भी इसका विपरीत असर पड़ रहा है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को इस मामले में सजग होने की जरूरत है।

अगर बच्चा होमवर्क न करे तो करें बातचीत

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है।

इस कारण आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए

अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।

दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा।

होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं।

होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।

बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न हीं वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

बच्चों को जिम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं।

एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। बच्चा इनके साथ खेलते हुए कई चीजें सीखता है।

ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट्स के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है।

पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है।

पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं।

पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं।

पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट्स की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं।

बच्चों को जिंदगी और मौत की अवधारणा के बारे में समझाना बहुत मुश्किल होता है। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है।

एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

अपने साथ पेट्स को रखना अपने अच्छे दोस्त को घर पर रखने जैसा होता है। घर में रहने वाला पेट्स न सिर्फ घर में सभी के लिए तनाव दूर करने वाला बनता है बल्कि आपके बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त भी रखता है। पेट्स की देखभाल करते हुए बच्चे दयालु, निस्वार्थ, केयरिंग और जिम्मेदार बनना सीखते है। घर में रहने वाले पेट्स आपके बच्चे को सही और आसान तरीके से बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बच्चों को लिखना ऐसे सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत- बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत- वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षो में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें।

बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें

हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।

अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

बच्चों के टिफिन को ऐसे करें तैयार

बच्चे बहुत मूडी होते हैं। इसलिए इस बात का ख़ास ख़याल रखें कि बच्चों का खाना इस तरह का हो, जिससे उन्हें अधिक से अधिक पौष्टिक तत्व मिल सकें और यह उनकी पसंद का भी होना चाहिये। अक्सर बच्चे फल और सलाद खाने में आनाकानी करते हैं, पर उन्हें विभिन्न शेप, साइज़ और डिज़ाइन में काटकर और कलरफुल लुक देकर खाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस प्रकार का खाना रखें

कुछ बच्चे खाने में अधिक समय लगाते हैं। इसलिए खाना स्वादिष्ट, साद व आसानी से खानेवाला होना चाहिए।

कई बार खाना टिफिन में इस तरह से पैक किया हुआ होता है कि बच्चे हाथ गंदे कर लेते हैं या पैकिंग खोल नहीं पाते हैं। इसलिए टिफिन में लंच इस तरह से पैक करें कि बच्चे आसानी से खोल व खा सकें.

सैंडविचेज़, रोल्स और परांठा को काटकर दें, ताकि बच्चे आसानी से खा सकें।

यदि लंच ब्रेक के लिए सेब, तरबूज़, केला आदि दे रही हैं, तो उन्हें छीलकर, बीज निकालकर और स्लाइस में काटकर दें।

टिफिन खरीदते समय ध्यान दें

टिफिन ख़रीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टिफिन ऐसा हो, जिसे बच्चे आसानी से खोल व बंद कर सकें।

बच्चों को टिफिन में फ़ाइड फूड न दें। यदि कटलेट, कबाब व पेटिस आदि दे रही हैं, तो वे भी डीप फ़ाई किए हुए न हों।

लंच में खाने की अलग-अलग वेराइटी बनाकर दें। उदाहरण के लिए- कभी फ़ूट्स दें, तो कभी सैंडविच, कभी वेज रोल, तो कभी स्टफ्ड परांठा।

बच्चों को टिफिन में फ़ूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी, गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं, लेकिन सलाद में केवल एक ही फल, ककड़ी या गाजर काटकर न दें, बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीज़ें आकर्षित करती हैं।

ककड़ी, गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीज़ों को देखकर बच्चे ख़ुश होकर खा भी लेते हैं।

सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना, काबुली चना, कॉर्न, बादाम, किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।

ओमेगा3 को 'ब्रेन फूड' कहते हैं, जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फ़ायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट, स्ट्रॉबेरी, कीवी फ़ूट, सोयाबीन्स, फूलगोभी, पालक, ब्रोकोली, फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुक़सान पहुंचाती है, इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज़ और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज़ और रोल्स में सब्ज़ियां, सलाद और चीज़ आदि भरकर उन्हें अधिक हेल्दी और टेस्टी बना सकती हैं।

लंच में यदि डेयरी प्रोडक्ट देना चाहती हैं, तो चीज़ स्टिक्स/क्यूब्स और दही दे सकती हैं। यदि दही दे रही हैं, तो वह ताज़ा हो।

खाने के समय बच्चों को अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें लंच में उबला हुआ अंडा, पीनट बटर, दाल परांठा, काबुली चना, सोया, पनीर, बीन्स आदि से बना खाना दें।हेल्दी लंच के साथ-साथ बच्चों को पानी की बॉटल भी दें।

अफ्रीका में एयरटेल ने तीन महीने में कमाए 650 करोड़

- एयरटेल अफ्रीका आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने पर कर रही है विचार

मुंबई । दूरसंचार कंपनी एयरटेल अफ्रीका ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं, जिनमें कंपनी ने 650 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ दर्ज किया है। इस दौरान शुक्रवार को भारत के शेयर बाजार में एयरटेल के शेयरों में लगभग एक प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके बावजूद एयरटेल अफ्रीका आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने पर विचार कर रही है। खबरों के अनुसार कंपनी लंदन में लिस्टिंग कराने का प्रयास कर रही है। भारती एयरटेल की टेलीकॉम यूनिट एयरटेल अफ्रीका को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.9 करोड़ डॉलर यानी 664 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा हुआ है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1.3 करोड़ डॉलर का घाटा हुआ था। कंपनी ने बयान में कहा कि इसका लाभ 15.1 करोड़ डॉलर के असाधारण डेरिवेटिव और विदेशी मुद्रा घाटे से प्रभावित हुआ, जो इस अवधि के दौरान नाइजीरियाई की मुद्रा नाइरा में मूल्यह्रास का नतीजा है। एयरटेल अफ्रीका की आमदनी सितंबर तिमाही में 9.64 प्रतिशत घटकर 237 करोड़ डॉलर रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 262.3 करोड़ डॉलर थी। एयरटेल अफ्रीका कि एक अे धिकारी ने कहा कि हमने देखा है कि लागत को अनुकूलतम बनाने हमारे कार्यक्रम में पहले से ही प्रारंभिक सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा कर्ज, बाजार से लिये गये कुल ऋण का मात्र 11 प्रतिशत रह गया है। बहीखाते को जोखिम मुक्त करने के लिए हमारे किए गए कार्य को दर्शाता है।

रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा अब 15 नवंबर तक

- रिटर्न दाखिल करने की यह विस्तारित अवधि कर ऑडिट रिपोर्ट पर लागू नहीं होगी

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने शनिवार को मूल्यांकन वर्ष 2024-25 के लिए कॉर्पोरेट्स द्वारा आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 15 दिन बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक परिपत्र में कहा कि पिछली 31 अक्टूबर की समयसीमा बढ़ाई जाएगी। मूल्यांकन वर्ष 2024-25 के लिए नयी समयसीमा अब 15 नंवबर है। बताया गया है कि कर रिटर्न दाखिल करने की यह विस्तारित अवधि कर ऑडिट रिपोर्ट पर लागू नहीं होगी। इससे पहले सितंबर में सीबीडीटी ने कर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम समयसीमा सात दिन तक बढ़ाकर सात अक्टूबर कर दी थी।

आरबीआई ने यूएई एक्सचेंज सेंटर का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द किया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक आवशयकताओं का पालन न करने के कारण यूएई एक्सचेंज सैंटर एलएलसी का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूएई एक्सचेंज सैंटर एलएलसी (यूएईईसी) सीमा पार धन हस्तांतरण का कारोबार नहीं कर सकेगी। यूएईईसी का पंजीकृत कार्यालय दुबई में है। उसे सीमा पार धन हस्तांतरण परिचालक (ग्राहक से ग्राहक के बीच) के लिए ओवरसीज प्रिंसिपल के रूप में प्राधिकरण प्रमाणपत्र (सीओए) जारी किया गया था। आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली परिचालक का सीओए नियामक आवशयकताओं का पालन न करने के कारण रद्द कर दिया गया है।

इंडिगो को सितंबर तिमाही में 986 करोड़ का नुकसान

- बीते वित्त वर्ष कंपनी को 188.9 करोड़ का लाभ हुआ था

नई दिल्ली । देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 986.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। कंपनी ने कहा कि उसे यह घाटा ठप विमानों और ईंधन की ऊंची कीमतों के कारण हुआ है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 188.9 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। इंडिगो के एक अे धिकारी ने कहा कि एयरलाइन की वृद्धि और विस्तार जारी रहा और सितंबर तिमाही में इसकी आमदनी 14.6 प्रतिशत बढ़कर 17,800 करोड़ रुपये हो गई। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से कमजोर दूसरी तिमाही में ठप विमानों और ईंधन लागत से संबंधित प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण परिणाम और भी प्रभावित हुए। हमने एक नया मोड़ लिया है क्योंकि ठप विमानों की संख्या और संबंधित लागत में कमी आनी शुरू हो गई है। सितंबर तिमाही में एयरलाइन की ईंधन लागत 12.8 प्रतिशत बढ़कर 6,605.2 करोड़ रुपये हो गई।

आरबीआई गवर्नर ने कहा- क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा जोखिम

- सरकारें क्रिप्टोकरेंसी में संभावित नकारात्मक जोखिमों के बारे में भी जागरूक हो रही हैं

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शांतिकांत दास कहा कि क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक स्थिरता के लिए बड़ा जोखिम है। उन्होंने कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है। आरबीआई गवर्नर दास ने थिंक टैंक पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में अपनी उपस्थिति के दौरान कहा कि वास्तव में मेरी राय यह है कि यह ऐसी चीज है जिसे वित्तीय प्रणाली पर हावी नहीं होने दिया जाना चाहिए। क्योंकि इसमें वित्तीय स्थिरता के बड़े जोखिम हैं और यह बैंकिंग प्रणाली के लिए भी जोखिम पैदा करता है। उन्होंने कहा इससे ऐसी स्थिति भी पैदा हो सकती है जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है। दास ने कहा कि सरकारें क्रिप्टोकरेंसी में संभावित नकारात्मक जोखिमों के बारे में भी जागरूक हो रही हैं और इससे जुड़े बड़े जोखिमों को पूरी तरह से ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समझ होनी चाहिए। उन्होंने कहा यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में मुझे लगता है कि यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह दृष्टिकोण बहुत लोकप्रिय नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में, यह दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत क्रिप्टोकरेंसी के बारे में सवाल उठाने वाला पहला देश था। भारत की अध्यक्षता में जी20 में इस पूरे क्रिप्टो इकोसिस्टम से निपटने के संबंध में एक अंतरराष्ट्रीय समझ विकसित करने पर एक समझौता हुआ था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.16 अरब डॉलर घटकर 688.27 अरब डॉलर हुआ

पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 690.43 अरब डॉलर था

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.16 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 688.27 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा था। हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में आई यह सबसे बड़ी गिरावट थी। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.87 अरब डॉलर घटकर 598.24 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.79 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.44 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.27 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.32 अरब डॉलर रहा।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दोनों सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट देखी गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की सतत बिकवाली से दोनों सूचकांकों में 14 महीने में सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही ब्लूचिप फर्मों के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने और शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की चिंता से भी बाजार में गिरावट को बल मिला है। घरेलू शेयर बाजारों ने नए सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सोमवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों सूचकांकों में मजबूती दिखी। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 545 अंक बढ़कर 81,770.02 अंक पर खुला और 73.48 अंक की गिरावट के साथ 81,151.27 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 102.10 अंक की बढ़त के बाद 24,956.15 अंक पर खुला और 72.95 अंक की गिरावट के साथ 24,781.10 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स मजबूत हुए हैं। सेंसेक्स 200 अंकों बढ़कर खुला और 930.55 अंक टूटकर 80,220.72 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 24800 से अधिक बढ़कर खुला और 309 अंक गिरकर 24,472.10 पर बंद हुआ। बुधवार को भारतीय बाजारों में बिकवाली का दबाव जारी रहा क्योंकि बीयर्स लगातार सूचकांकों को नीचे खींचते दिखे। बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स 299 अंक टूटकर 79,921.13 पर खुला और 138.74 अंक गिरकर 80,081.98 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 93.95 अंक की गिरावट के साथ 24,378.15 पर खुला और 36.60 अंक की गिरावट के साथ 24,435.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.07 अंक टूटकर 79,916.91 पर खुला और 16.82 अंक कमजोर होकर सपाट बंद हुआ। निफ्टी 52.71 अंकों की कमजोरी के साथ 24,382.80 पर खुला और 36.10 अंक फिसलकर 24,399.40 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक लगभग एक प्रतिशत तक नीचे आ गए। दोपहर एक बजकर 54 मिनट पर सेंसेक्स 762.22 टूटकर मनोवैज्ञानिक स्तर 80 हजार से नीचे आ गया और 79,298.31 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 272.50 अंक टूटकर 24,126.90 के लेवल पर खुला और 218.60 अंक गिरकर 24,180.80 अंक पर बंद हुआ।

8 लाख रुपये तक की इनकम हो सकती है टैक्स फ्री, 9 करोड़ लोग भर सकते हैं आईटीआर

नई दिल्ली।

हर साल इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस साल करीब 7.3 करोड़ लोगों ने आईटीआर फाइल किया है और मार्च 2025 तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। यदि सरकार 8 लाख रुपये तक की सालाना इनकम को टैक्स फ्री करने का फैसला लेती है, तो यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस छूट की मांग जोर पकड़ रही है और ऐसी संभावना है कि सरकार 60 से 80 साल के वरिष्ठ नागरिकों को यह राहत दे सकती है।

- 2 करोड़ ज्यादा आईटीआर फाइल होने की संभावना

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के आर्थिक विभाग की रिसर्च रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर सरकार असेसमेंट ईयर 2024-25 में आईटीआर की संख्या बढ़ाना चाहती है, तो उसे ऐसे कदम उठाने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को यह छूट दी जाती है, तो रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी। अनुमान है कि इस साल करीब 2 करोड़ और आईटीआर फाइल होंगे, जिससे वित्तीय वर्ष के अंत तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। अगले साल यह आंकड़ा 10 करोड़ के पार भी पहुंच सकता है।

-टीडीएस कटौती और सर्टिफिकेट में बदलाव की सिफारिश

रिपोर्ट के अनुसार, असेसमेंट ईयर 2022 में कुल 7.3 करोड़ आईटीआर फाइल किए गए थे, जो असेसमेंट ईयर 2024 में बढ़कर 8.6 करोड़ हो गए। तय तारीख के बाद आईटीआर भरने वालों की संख्या में गिरावट आ रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि लोग समय पर आईटीआर फाइल करने के अनुशासन का पालन कर रहे हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी प्रक्रिया और फॉर्म को आसान बना दिया है, जिससे आईटीआर भरना सरल हो गया है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि सरकार को टीडीएस कटौती के दायरे में सुधार करना चाहिए और टीडीएस सर्टिफिकेट में भी बदलाव करने चाहिए।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से एक लाख करोड़ से ज्यादा निकाले

नई दिल्ली । विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से अक्टूबर माह में अब तक एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की निकासी की है। एफआईआई ने 25 अक्टूबर तक 1,00,242.17 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। इस महीने में एफआईआई ने हर दिन शेयर बेचे हैं। विश्लेषकों के मुताबिक चीन में प्रोत्साहन उपायों की झड़ी के बाद एफआईआई एशियाई बाजार से लगातार पैसे निकालकर ड्रैगन के बाजार में लगा रहे हैं। खासकर, भारत से भारी निकासी की जा रही है। हालांकि, भारतीय बाजार को घरेलू निवेशकों से लगातार मदद मिल रही है और इन्होंने अक्टूबर में अब तक 97,090.83 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीदारी की है। इन दिनों एफआईआई ने सबसे ज्यादा बिकवाली की- 3 अक्टूबर 15,243.27 करोड़, 4 अक्टूबर 9,896.95 करोड़, 7 अक्टूबर 8,293.41 करोड़, 8 अक्टूबर 5,729.60 करोड़, 17 अक्टूबर 7,421.40 करोड़ और 23 अक्टूबर ,684.63 करोड़ रुपए। एफआईआई की लगातार बिकवाली ने रुपए को रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब बनाए रखा है।

दिवाली से पहले दोगुना हुआ मुद्रा लोन

- अब बिना गारंटी के मिलेंगे 20 लाख रुपए

नई दिल्ली ।

दिवाली से पहले सरकार ने मुद्रा योजना के तहत लोन सीमा बढ़ा दी है। सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत लोन की सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया है, जिसका उद्देश्य छोटे उद्यमियों को मदद करना है। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को केंद्रीय बजट में इस वृद्धि की घोषणा की थी। यह कदम नए उद्यमियों को अपने उद्योगों का विस्तार करने में सहायक साबित होगा। अधिसूचना के अनुसार तरुण प्लस श्रेणी के तहत 10 लाख रुपए से अधिक और 20 लाख रुपए तक के लोन उन उद्यमियों को उपलब्ध होंगे जिन्होंने पहले का लोन सफलतापूर्वक चुका दिया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को हुई थी। इस योजना का उद्देश्य गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों को बिना गारंटी के 10 लाख रुपए तक का लोन प्रदान करना है। बैंक इस योजना के तहत तीन श्रेणियों में लोन देते हैं: शिशु: 50,000 रुपए तक, किशोर: 50,000 रुपए से 5 लाख रुपए तक और तरुण:10 लाख रुपए तक (अब 20 लाख रुपए)। इसके लिए पात्रता- उद्यमी भारत का नागरिक होना चाहिए, उम्र 18 साल से अधिक होनी चाहिए, बैंक डिफॉल्ट हिस्ट्री नहीं होनी चाहिए। कॉरपोरेट संस्थाएं इस योजना के अंतर्गत मान्य नहीं हैं।

धनतेरस पर सोना-चांदी दोनों में निवेश करना फायदेमंद: बाजार विशेषज्ञ

- दोनों ही की कीमती धातुओं में आगे भी मजबूती आने की संभावना

नई दिल्ली ।

धनतेरस के त्योहार पर भारत में जमकर खरीदारी होती है। विशेष तौर पर देखा जाए तो सोने और चांदी की कीमतें इस साल खूब बढ़ी है। वैश्विक अनिश्चितताओं और बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। इस साल 29 मई को चांदी ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। एक जनवरी 2024 को चांदी की कीमत 73,395 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसी तरह 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63352 रुपये थी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि जब सोने और चांदी की मांग पीक पर होती है, तो निवेशकों को सोच-समझकर फैसले लेना चाहिए। हालांकि, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अभी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आने की कोई आशंका नजर नहीं आ रही है। आने वाले समय में हाजिर और वायदा बाजार में दोनों ही कीमती धातुओं की कीमतों में और मजबूती आने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका में संभावित ब्याज दरों में कटौती के चलते सोने-चांदी की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। खास बात यह है कि चांदी, जो हाल के महीनों में सोने से पीछे रही है, अब अधिक आकर्षक निवेश विकल्प बन सकती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी दिवाली तक 1,05,000-1,10,000 प्रति किलो तक जा सकती है। उन्होंने निवेशकों को इस मौके का फायदा उठाने और चांदी पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इसके साथ ही जियोपॉलिटिकल टेंशन और फस्टिव सीजन के चलते आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 79 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है, वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

अदाणी की बोली के बाद केएसके महानदी के लिए अन्य बोलीदाताओं ने भी दाव बढ़ाए

- अदाणी समूह ने केएसके के लिए 12,500 करोड़ की ऊंची बोली लगाई है

नई दिल्ली ।

केएसके महानदी पावर का अधिग्रहण करने के लिए अदाणी समूह की तरफ से 12,500 करोड़ रुपये की बोली लगाए जाने के बाद अन्य बोलीदाता भी अपनी पेशकश संशोधित करने के लिए प्रेरित हुए हैं और इसका अंतिम आंकड़ा बहुत अधिक हो सकता है। केएसक महानदी पावर के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की तरफ से बोली को चुनौती देने वाली व्यवस्था शुरू किए जाने के बाद गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) की पूरी वसूली हो जाने की उम्मीद है। हालांकि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत संचालित कार्यवाही में ऐसा हो पाना लगभग दुर्लभ है। आईबीसी व्यवस्था से जुड़े सूत्रों ने केएसके महानदी को लेकर दिलचस्पी जगाने का श्रेय अदाणी समूह को दिया है।

अदाणी समूह ने इस संकटग्रस्त कंपनी के लिए 12,500 करोड़ रुपये की शुरुआती ऊंची बोली लगाई है। यह बोली दूसरे स्थान पर मौजूद बोलीदाता की तुलना में 4,800 करोड़ रुपये अधिक है। इसका नतीजा यह निकला है कि एनटीपीसी समेत 10 मौलिक बोलीदाताओं में से छह ने अब अदाणी समूह की लगाई बोली के आसपास के संशोधित प्रस्ताव पेश किए हैं। यह मजबूत प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है जिससे परिसंपत्ति मूल्य भी बढ़ेगा।

उद्योग के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि यह अधिकतम मूल्य हासिल करने पर आईबीसी के जोर को दर्शाता है। अदाणी की प्रतिस्पर्धी बोली केएसके महानदी के 10,000 करोड़ रुपये के कथित नकद भंडार और 4,000 करोड़ रुपये की व्यापार प्राप्तियों को जोड़कर करीब 27,000 करोड़ रुपये हो जाती है। इसका मतलब है कि कर्जदाताओं को बकाया कर्ज के 92 प्रतिशत की वसूली हो सकती है। छत्तीसगढ़ में स्थित केएसके महानदी की स्थापित क्षमता 1,800 मेगावाट है। करीब 29,330 करोड़ रुपये के कर्ज बोझ वाली इस परियोजना को 2019 में दिवाला समाधान प्रक्रिया में लाया गया था। अदाणी पावर की 12,500 करोड़ रुपये की बोली प्रतिस्पर्धी संस्थाओं के बीच सबसे ऊंची पेशकश थी।

चालू महीने में खाद्य तेलों का आयात बढ़ने का अनुमान

- पिछले साल के 2.88 लाख टन की तुलना में दोगुना हो सकता है रिफाइंड तेल का आयात

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। चालू त्योहारी सीजन में घरेलू बाजार में मांग भी तेजी दिखाई दे रही है। जिसके कारण खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पिछले महीने खाद्य तेलों के आयात शुल्क में इजाफा का मकसद आयात को हतोत्साहित करना, घरेलू उद्योग और किसानों को फायदा पहुंचाना था। जो फिलहाल पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है। आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी के बावजूद चालू महीने में खाद्य तेल का आयात अधिक रहने वाला है। खाद्य तेल कारोबारियों के मुताबिक अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल का आयात 13.50 लाख टन तक पहुंचने वाला है जो अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल के आयात का करीब 9 साल का उच्चतम स्तर हो सकता है। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ ने बताया कि रिफाइंड तेल का आयात पिछले साल के 2.88 लाख टन की तुलना में दोगुना हो सकता है जबकि पाम तेल 7.50 लाख टन होने का अनुमान है। अक्टूबर 2023 में 6.95 लाख लीटर पाम तेल का आयात हुआ था। पिछले महीने की तुलना में तीन लाख लीटर अधिक पाम तेल के आयात होने का अनुमान है। कच्चे और रिफाइंड पाम तेल का आयात घटने के कारण सितंबर में कुल खाद्य तेल आयात में 29 प्रतिशत की गिरावट रही है। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के मुताबिक पिछले महीने कुल खाद्य तेल आयात 10.64 लाख टन रहा है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 14.94 लाख टन रहा था। केंद्र सरकार ने सितंबर के दूसरे सप्ताह में खाद्य तेलों पर आयात शुल्के बढ़ा दिया गया था। सरकार ने कच्चे पाम तेल, कच्चे सोया तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर 20 फीसदी आयात शुल्क लगा दिया था। इसकी वजह से तीनों तेलों पर कुल आयात शुल्क 5.50 फीसदी से बढ़कर 27.5 फीसदी हो गया है। जबकि रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सोया तेल और रिफाइंड सूरजमुखी तेल के आयात पर 13.75 आयात शुल्क के मुकाबले अब 35.75 फीसदी आयात शुल्क लग रही है। पिछले एक महीने के दौरान सोयाबीन की वैश्विक कीमतों में करीब 16 फीसदी, सूरजमुखी में 12 फीसदी और पाम ऑयल में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जिसका असर घरेलू बाजार पर भी देखने को मिला।

यूटीआई का सितंबर तिमाही में मुनाफा बढ़कर 239 करोड़ हुआ

- पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 183 करोड़ का मुनाफा हुआ था

नई दिल्ली ।

यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 31 प्रतिशत बढ़कर 239 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 183 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। यूटीआई एएमसी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि सितंबर तिमाही में उसकी परिचालन आय 33 प्रतिशत बढ़कर 538 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 404 करोड़ रुपये थी। सितंबर तिमाही में यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी का कुल परिसंपत्ति आधार 20.16 लाख करोड़ रुपये था। इसमें यूटीआई म्यूचुअल फंड का परिसंपत्ति आधार 3.42 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यूटीआई एएमसी के एक अे धिकारी ने कहा कि भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि जारी है। औसत प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति 66.22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो देश भर में मजबूत निवेशक धारणा को दर्शाती है।

पुणे टेस्ट : न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को 113 रनों से हराकर 2-0 से सीरीज जीती

-दूसरी पारी में भारतीय टीम 245 रनों पर ही सिमटी

पुणे (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट को तीन दिनों के अंदर ही 113 रन से जीत लिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 359 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 245 रनों पर ही सिमट गयी। इससे पहले आज सुबह न्यूजीलैंड की पारी 255 रन पर आउट हुई। इस तरह उसने भारतीय टीम को जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य दिया। इस मैच में कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 259 रन बनाये थे। इसके जवाब में टीम इंडिया अपनी पहली पारी में केवल 156 रन ही बना पाई। इस प्रकार मेहमान टीम को पहली पारी के आधार पर 103 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिली हुई थी। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 2-0 से सीरीज भी जीत ली है। उसने बेंगलूर में खेला गया पहला टेस्ट भी 8 विकेट से जीता था। वहीं दूसरे दिन 16 रन पर एक विकेट गंवाकर खेल रही टीम इंडिया ने अच्छी शुरूआत की। शुभमन गिल 72 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर सैंटनर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए जबकि विराट कोहली इस मैच में विफल रहे और मात्र एक रन पर आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल 30 रन बनाकर जबकि ऋषभ पंत 18 रन पर आउट हुए। तीसरे दिन न्यूजीलैंड टीम कल के स्कोर 5 विकेट पर 198 रन से आगे खेलते हुए 255 रन पर आउट हो गई। ग्लेन फिलिप्स 48 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं टॉम ब्लंडेल 83 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हुए। टिम साउदी (0), मिचेल सेंटनेर (4) और ऐजाज पटेल (1) भी टिक नहीं पाये। कीवी टीम 69.4 ओवर में 255 रन पर आउट हो गई। इससे भारत को 359 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने अच्छी शुरूआत की। हालांकि कप्तान रोहित रन नहीं बना पाये पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने पारी को आगे बढ़ाया और 96 रन तक ले गए। शुभमन 23 रन बनाकर आऊट हुए। विराट कोहली से उम्मीदें थीं पर वह भी 17 रन ही बना पाए। ऋषभ पंत अपना खाता तक नहीं खोल पाये। जायसवाल ने 65 गेंदों पर 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर ने मध्यक्रम में 21 रन बनाए पर सेंटनर और ग्लेन फिलिप्स की गेंदों का भारतीय टीम के पास कोई जवाब नहीं था। सेंटनर ने एक बार फिर से पारी में पांच विकेट लिए। चाय तक जडेजा और अश्विन क्रीज पर थे। चाय के बाद अश्विन 34 गेंदों पर 18 तो अकाश दीप 1 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। रवींद्र जडेजा ने एक छोर संभाला और नाबाद 42 रन बनाए पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। अंत में बुमराह ने भी कुछ शॉट लगाए पर तब तक मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया था।

इससे पहले भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज करने का फैसला किया था। न्यूजीलैंड के पहले तीनों विकेट अश्विन ने लिए। पहले कप्तान टॉम लाथम (22 गेंदों पर 15 रन, 2 चौके) को पगबाधा किया और इसके बाद विल यंग (45 गेंदों पर 18 रन, 2 चौके) का विकेट लिया जिसमें उनका साथ विकेटकीपिंग कर रहे ऋषभ पंत ने कैच पकड़ कर दिया। तीसरा विकेट 44वें ओवर में आया जब अश्विन की गेंद पर डेवोन कॉन्वे (76 रन) पंत के हाथों कैच आउट हो गए। वाशिंगटन सुंदर ने अश्विन का साथ देते हुए लंच के बाद दो विकेट अपने नाम किए जिसमें पहला विकेट रचिन रवींद्र और दूसरा टॉम ब्लंडेल का था। सुंदर ने दोनों को बोल्ड किया। रचिन 105 गेंदों पर 5 चौकों और एक छक्के की मदद से 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुए जबकि ब्लंडेल मात्र 3 रन ही बना सके।

टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा का कमाल, डब्ल्यूटीसी चैंपियंस के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

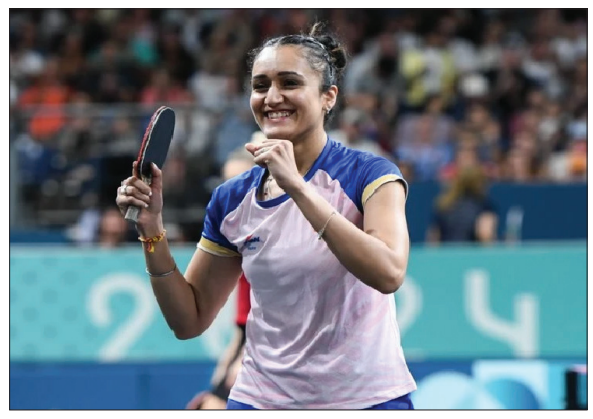

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने डब्ल्यूटीसी चैंपियंस भी इतिहास रच दिया। सालों से भारतीय टेबल टेनिस की पोस्टर गर्ल रही मनिका ने शनिवार को इस अहम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले पहली भारतीय खिलाड़ी बनी। मनिका ने फ्रांस के मोंटपेलियेर में चल रहे टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में महज 29 मिनट में जीत हासिल की।

वहीं मनिका का सामना रोमानिया की 14वीं रैंकिंग वाली बर्नाडेट से था। दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी बत्रा ने 29 मिनट में 11-9, 6-11, 13-11, 11-9 से जीत दर्ज की। उन्होंने पेरिस ओलंपिक प्री-क्वार्टर फाइनल में भी इसी प्रतिद्वंद्वी को हराया था। अब बत्रा का सामना चीन की कियान तियांयी से होगा। कियान ने अपनी हमवतन वांग यिडी को 11-7, 11-9, 13-11 से हराया।

मनिका बत्रा ने बुधवार को एकतरफा मुकाबले में अमेरिका की लिली झेंग को 3-0 से हराकर महिला सिगल्स प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पेरिस ओलंपिक के एकल प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा था। इस बार भी उन्होंने महज 22 मिनट से भी कम समय में 11-4, 11-8, 12-10 से आसान जीत दर्ज की थी।

हार से निराश रोहित बोले, हमें ऐसे परिणाम की उम्मीद नहीं थी

पुणे (एजेंसी)। यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट में न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार के बाद निराश भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि हमें इस प्रकार के परिणाम की उम्मीद नहीं थी। इसी के साथ ही भारतीय टीम का घरेलू धरती पर जीत का सिलसिला टूट गया। भारतीय क्रिकेट टीम अंतिम बार अपनी धरती पर 3 टेस्ट मैच साल 1983 में वेस्ट इंडीजी से हारी थी। रोहित शर्मा ऐसे पहले कप्तान हैं जो इस साल घरेलू मैदान पर बतौर कप्तान 3 टेस्ट में से 2 न्यूजीलैंड और एक इंग्लैंड से हारे हैं। वहीं घर पर 15 टेस्ट मैचों में रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम चौथा मुकाबला हारी है। सीरीज हारने के बाद रोहित ने इसे निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के परिणाम की हमने उम्मीद नहीं की थी। इस जीत का श्रेय न्यूजीलैंड को दिया जाना चाहिये। उन्होंने काफी अच्छा खेला। हम कुछ खास अवसरों का लाभ उठाने में विफल रहे। इसी कारण हमें हार झेलनी पड़ी है।

रोहित ने कहा कि ऐसा नहीं लगा कि हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। हम रनों को बढ़ा नहीं पाए। साथ ही कहा कि आपको जीतने के लिए 20 विकेट लेने होंगे पर बल्लेबाजों को भी रन बनाने होते हैं। हमने विरोधी टीम को 250 के करीब रोका था पर हम जानते थे कि यह आसान नहीं रहेगा। जब उन्होंने शुरुआत की तो उनका स्कोर तीन विकेट पर 200 था। इसके बाद भी उन्हें 259 रन पर आउट करना हमारा अच्छा प्रयास था। रोहित ने कहा कि यह ऐसी पिच नहीं थी जहां बहुत कुछ हो रहा था। हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। अगर हम पहली पारी में थोड़ा करीब होते तो परिणाम कुछ और होता।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में हुआ बदलाव, हार के बाद भी टॉप पर भारत, पाकिस्तान की स्थिति हैरान करने वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 अक्टूबर 2024 का दिन क्रिकेट जगत में हमेशा याद रखा जाएगा। जहां पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में हराकर 2-1 से सीरीज अपने नाम की वहीं न्यूजीलैंड ने भारत को 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में भी हराकर सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। कीवी टीम के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज को गंवाने के बाद अब भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

भारत की हार और पाकिस्तान की जीत के बाद आखिर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में टीमों की क्या स्थिति है इसके बारे में बात करते हैं। भारत को कीवी टीम के खिलाफ दो टेस्ट मैच में लगातार हार मिली, लेकिन भारत फिर भी पहले नंबर पर बना हुआ है। भारत ने अब तक खेले 13 मैचों में से 8 में जीत दर्ज की है जबकि 4 में उसे हार झेलनी पड़ी है। वहीं एक मैच ड्रॉ भी रहा। भारत की जीत का प्रतिशत अभी 62.82 है। वहीं कीवी टीम अभी पॉइंट टेबल में चौथे स्थान पर है जिसने 10 में से 5 मैच जीते हैं और 5 हारे हैं। इस टीम की जीत का प्रतिशत 50.00 है।

दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच जीते और इससे वो अंकतालिका में अब 7वें नंबर है जबकि इंग्लैंड की टीम छठे स्थान पर है। पाकिस्तान की टीम ने अब तक खेले 10 में से 4 मैच जीते हैं और 6 हारे हैं। इस टीम की हार का प्रतिशत 33.33 है। इंग्लैंड की बात करें तो 19 में से 9 मैच जीते हैं और 9 हारे हैं जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। इस टीम की जीत का प्रतिशत 40.79 है। अंकतालिका में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया जबकि तीसरे नंबर पर श्रीलंका की टीम मौजूद है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का स्टीव स्मिथ को लेकर बड़ा बयान

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने ऑस्ट्रेलिया के आगामी बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट श्रृंखला के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है, जिसमें उन्होंने खराब फॉर्म में चल रहे स्टीव स्मिथ की जगह विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज पर विचार करने का सुझाव दिया है। यह श्रृंखला अगले महीने भारत के खिलाफ शुरू हो रही है, और ऑस्ट्रेलियाई टीम को इसके लिए अपनी रणनीति में बदलाव की आवश्यकता हो सकती है। स्टीव स्मिथ, जो आमतौर पर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं, इस समय पारी का आगाज कर रहे हैं। हालांकि, उनकी शीर्ष बल्लेबाजी क्रम में सफलता सीमित रही है। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने हाल ही में संन्यास से वापसी करने की इच्छा जताई है, जिसके बाद क्लार्क ने स्मिथ के पारी का आगाज करने की आलोचना की।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शमी की जगह कृष्णा शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने अगले माह होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल नहीं किया है। शमी की जगह पर युवा खिलाड़ी प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में जगह दी गयी है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांच मैचों की एक टेस्ट सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई के अनुसार शमी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। इसी कारण उनकी जगह पर कृष्णा को अवसर मिला है। इस युवा खिलाड़ी की नौ महीने बाद टीम में वापसी हुई है। कृष्णा ने भारतीय टीम की ओर से अपना अंतिम मैच साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेला था। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। कृष्णा को चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलियाई हालातों को ध्यान में रखने हुए टीम में शामिल किया है। कृष्णा की लंबाई काफी अच्छी है और ऑस्ट्रेलिया की उछल भरी पिचों पर वह प्रभावी साबित हो सकते हैं। कृष्णा की गेंदों में तेजी भी है जो ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर बेहद कारगर रहेगी। बाउंस और रफ्तार के अलावा इस युवा गेंदबाज की सीम पोजिशन भी शानदार है जिसके चलते वह विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के पास रहेगी। इन दोनों के अलावा कृष्णा पर भी नजरें रहेंगी। कृष्णा का दावा अंतिम ग्यारह के लिए आकाशदीप से आगे हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 22 नवंबर से शुरु होगी और इस दौरान पांच टेस्ट खेले जाएंगे।

पाकिस्तान ने चार साल बाद घरेलू धरती पर पहली टेस्ट सीरीज जीती

-तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 9 विकेट से हराया

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 9 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। इसी के इसके साथ ही मेजबान पाक टीम ने चार साल के बाद अपनी घरेलू धरती पर कोई सीरीज जीती है। टीम पिछले काफी समय से लगातार मिली हार के कारण दबाव में थी। उसे 2021 के बाद घर पर पहली सीरीज जीतने में सहायता मिली है। तीसरे टेस्ट में पाक टीम की जीत में स्पिनर नोमान अली और साजिद खान की अहम भूमिका रही। इन दोनो के सामने इंग्लैंड के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। इन दोनो ने मेहमान टीम के बल्लेबाजों को पूरी तरह से धवस्त कर दिया। लंच से पहले इंग्लैंड की टीम केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। ये पाक में

इंग्लैंड का अब तक का कम स्कोर है। इससे पाक टीम को जीत के लिए केवल 36 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने 3.1 ओवर में एक विकेट खोकर ही हासिल कर लिया। कप्तान शान मसूद ने 6 गेंदों पर 23 रन बनाये। उन्होंने छक्का लगाकर मैच और सीरीज जीत ली। इससे पहले 24/3 से आगे खेलते हुए दिन की शुरुआत इंग्लैंड के लिए अच्छी रही। हैरी ब्रूक और जो रूट ने अच्छी शुरुआत की पर इनके आउट होने पर इंग्लैंड टीम ढ़ह गयी। इंग्लैंड ने 46 रन पर ही सात विकेट खो दिए।

यह कप्तान के रूप में शॉन मसूद की पहली सीरीज जीत है। इससे उन्हें खासी राहत मिली है। टीम में इस बार बाबर आजम, नसीम शाह और शाहीन अफरीदी तक शामिल नहीं थे। उनकी जगह साजिद और नोमान को शामिल किया गया। इन दोनो ने ही सूखी, टर्निंग पिचों का पूरी तरह से लाभ उठाया और अंतिम दो मैचों में दबदबा बनाते हुए 40 में से 39 विकेट ले लिए। पाक के लिए बदलाव अच्छे रहे। छह टेस्ट हार और घरेलू मैदान पर 11 मैचों की हार के बाद उसे जीत मिली है। टीम के लिए यह राहत देने वाली जीत है क्योंकि पिछले कुछ महीने उसके लिए बेहत कठिन रहे हैं। वहीं इंग्लैंड की इस साल चार टेस्ट मैचों में तीसरी हार है।

संजय मांजरेकर की विराट कोहली के शॉट चयन पर टिप्पणी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान विराट कोहली के निराशाजनक आउट होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कोहली ने अपने करियर का सबसे खराब शॉट खेला। इस टेस्ट की पहली पारी में, विराट केवल 9 गेंदों में एक रन बनाकर आउट हुए, जब उन्होंने स्पिनर मिचेल सेंटनर द्वारा फेंकी गई नीची फुलटॉस गेंद को खेलने में चूक की, जिससे गेंद उनके बल्ले के नीचे से लगकर स्टंप्स को छू गई। मांजरेकर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ओह डियर! विराट को खुद पता चल जाएगा कि उन्होंने आउट होने के लिए अपने करियर का सबसे खराब शॉट खेला है। उन्हें महसूस करना होगा कि हमेशा की तरह वह ठोस और ईमानदार इरादे के साथ मैदान पर उतरे थे। इस साल, विराट को खराब शॉट चयन के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने 5 टेस्ट की 9 पारियों में केवल 28.50 की औसत से 228 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 70 है। हालांकि, मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 ??में, विराट ने 8 टेस्ट मैचों में 44.91 की औसत से 539 रन बनाए हैं, जिसमें 13 पारियों में एक शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121 रहा है। 2020 के बाद से, विराट का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन औसत नहीं रहा है। उन्होंने पिछले तीन वर्षों में 33 टेस्ट मैचों में 33.01 की औसत से 1,816 रन बनाए हैं, जिसमें 57 पारियों में केवल 2 शतक और 9 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 186 रहा है। कोहली का निराशाजनक प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि उन्हें अपने खेल में सुधार करने की आवश्यकता है।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दौरे दौरे के लिए टीम घोषित कर दी है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम को पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद वह रोहित शर्मा की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कार सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम 8 नवंबर को डरबन में अपना पहला टी20 मैच खेलेगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 टी20 मैचों के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या,

अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैश्य, अवेश खान और यश दयाल।

दक्षिण अफ्रीका दौरे का पहला टी20 08-नवंबर को डरबन में जबकि दूसरा टी20 10 नवंबर को गक़ेबरहा में, वहीं 13-को तीसरा टी20 सेंचुरियन में व 15-नवंबर को चौथा टी20, जोहानसबर्ग में खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, मो. सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर।

रिजर्व: मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, खलील अहमद।

भारत के अर्जुन नें रचा इतिहास , लाइव रेटिंग में 2800 पार , आनंद के बाद बने दूसरे शतरंज खिलाड़ी

बनयाह , सर्बिया (एजेंसी)। यूरोपियन क्लब शतरंज कप 2024 में आखिरकार वह लम्हा आ ही गया जिसकी भनक दुनिया भर के शतरंज प्रेमियों को पिछले कुछ माह से नजर आ रही थी , अर्जुन नें जब इस साल अप्रैल में पहली बार 2756 रेटिंग एक साथ दुनिया के शीर्ष 10 खिलाड़ियों में नौवे स्थान पर जगह बनाई थी तभी से उनके प्रसंशक उनसे 2800 क्लब में शामिल होने की उम्मीद कर रहे थे । यूरोपियन क्लब कप के पांचवें में अर्जुन नें पांचवें राउंड में रूस के दिमित्री आन्द्रेकिन को पराजित करते हुए अपनी लाइव रेटिंग को 2802 पर पहुंचा दिया है ।

आने वाले कुछ दिनो में ही अर्जुन भारत के चेन्नई में होने वाले चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज में भाग लेने जा रहे है , अर्जुन के सामने एक और बड़ा इतिहास इंतजार कर रहा है और वह है फीडे कैंडिडेट में जगह बनाना, अर्जुन फिलहाल वर्तमान फीडे सर्किट में 102 अंको के साथ सबसे आगे चल रहे है और अगर वह चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में बेहतरीन खेल दिखाते है तो वह कैंडिडेट में जगह बनाने का इतिहास भी बना सकते है ।

हालांकि यूएसए के फबियानों करूआना इस दौड़ में उनके बेहद करीब है और यूएसए चैंपियनशिप जीतकर वह भी 95 अंको पर पहुँच गए है पर जिस तरह से अर्जुन खेल रहे है कैंडिडेट में उनका पहुँचना भी एक औपचारिकता नजर आता है ।

इतिहास की बात करे तो अब तक मैगनस कार्लसन नें 2014 में 2889 अंक हासिल किए थे और यह आज भी विश्व रिकॉर्ड है , उनके बाद गैरी कास्पारोव 2856 (वर्ष 2000) , फबियानों करूआना 2851 (वर्ष 2014) , लेवोन अरोनियन 2835 (वर्ष 2014), वेसलिन टोपालोव 2826 (वर्ष 2015), ममेद्यारोव 2826 (वर्ष 2018), वेसली सो 2824 (वर्ष 2017) विश्वनाथन आनंद 2820 (वर्ष 2011), मकसीम लागरेव 2819 (वर्ष 2016), हिकारु नाकामुरा 2819 (वर्ष 2015), व्लादिमीर क्रामनिक 2817 (वर्ष 2016), डिंग लीरेन 2816 (वर्ष 2018), अलेक्जेंडर ग्रीसचुक 2813 (वर्ष 2015), अलीरेजा फिरौजा 2804 (वर्ष 2021), अनीश गिरि 2802 (वर्ष 2015) और अब अर्जुन एरीगैसी 2802 (वर्ष 2024) कुल 16 खिलाड़ियों नें अब तक यह कारनामा किया है , लेकिन रोचक बात यह है की इनमें से अब तक सिर्फ मैगनस कार्लसन और गैरी कास्पारोव ही ऐसे

खिलाड़ी रहे है जो 2800 रेटिंग पार करने के बाद कभी भी इससे नीचे नहीं आए । तो अब देखना ये होगा की अर्जुन क्या इस रेटिंग को लगातार और बेहतर करते हुए कितना आगे का सफर तय करते है ।

सरफराज खान और रवि शास्त्री की चर्चा का कारण बना मजेदार वाक्या

नई दिल्ली । पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हाल ही में एक दिलचस्प घटना घटित हुई, जिसमें सरफराज खान और रवि शास्त्री का नाम चर्चा में आया। भारतीय टीम ने पहली पारी में 146 रन पर ऑलआउट होने के बाद, न्यूजीलैंड ने अपनी पारी की शुरुआत की। पारी के 79वें ओवर में, रविचंद्रन अश्विन ने गेंद फेंकी, जिस पर न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मिशेल सेंटनर ने ड्राइव लगाने की कोशिश की। इस दौरान गेंद जमीन पर टप्पा खाकर सरफराज के गुप्तांग पर जा लगी, जिससे एक मजेदार सिचुएशन पैदा हो गई। यह वाक्या देखकर कमेंटेटर्स ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी, और दर्शकों के बीच हंसी-खुशी का माहौल बन गया। वीडियो में सेंटनर की हैरानी और ऋषभ पंत की सरफराज के साथ मस्ती करने की तस्वीरें दिखाई देती हैं। सरफराज खान के लिए यह टेस्ट सीरीज अच्छी चल रही है। पहले टेस्ट में, जब भारतीय टीम पहली पारी में केवल 46 रन पर ऑलआउट हो गई थी, सरफराज ने दूसरी पारी में 150 रन बनाकर टीम को 400 के पार पहुंचाया था। उन्होंने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का सामना शानदार तरीके से किया, हालांकि दुर्भाग्यवश टीम इंडिया वह मुकाबला जीत नहीं पाई। इस घटना ने न केवल खेल के प्रति उत्साह बढ़ाया, बल्कि सरफराज की फॉर्म को भी दर्शाया, जो इस सीरीज में प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं।

सुशासन बाबू के राज में 80 करोड़ गरीब जनता के अनाज की धड़ल्ले से हो रही ब्लैकमेलिंग

सुरत भुमि, सूरत।

शहर के वराछा विस्तार से निकला अनाज भारत टेंपो को शहर के कुछ पत्रकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा उधना गांव देना बैंक के सामने रोक कर स्थानीय पुलिस को कार्यवाही करने के लिए सौंप दिया गया।

बताया जाता है कि ऐसी स्थिति में जब पुलिस का काम आम पत्रकार अथवा सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाने लगा तो पुलिस को तुरंत कदम उठाना चाहिए परंतु ऐसे षड्यंत्र भ्रष्टाचार में पूरे तंत्र के मिले होने के कारण ऐसी घटना में पुलिस इंतजार करने लगती है कि कहीं से किसी व्यापारी द्वारा माल का बिल पेश करके सभी अनाज माफिया को बचा लिया जाए। जबकि आमतौर पर गाड़ी चोर हो या मोबाइल चोर हो अथवा किसी भी प्रकार की चोरी करने वाला हो जो पुलिस की लिस्ट में नहीं होता है तो उसका रिमांड लेकर पुलिस तमाम चोरी की कैसे उसके ऊपर लगा देती है और उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाती है लेकिन गरीबों के हक का अनाज बाजार में बेचकर करोड़पति बन बैठे इन माफियाओं पर ऐसी कार्यवाही क्यों नहीं करते इसका मतलब कंट्रोल की दुकान वाले ठीक ही कहते हैं कि तुमको जहां जाना है जो जो करना है करो यह कमाई ऊपर तक जाती है। ऐसा कहकर जो एक यूनिट पर 5 किलो राशन मिलता है उसमें हर दुकानदार कटौती करके 2 किलो ढाई किलो नहीं तो ज्यादा से ज्यादा 3 किलो अनाज दिया जाता है बाकी हर गरीब के हक का अनाज बाजार नहीं भेज दिया जाता है। कलेक्टर के पास शिकायत करने पर भी इसकी सुनवाई नहीं होती इस पर इससे स्पष्ट साबित होता है कि इसके आदेश अनुसार यह योजना चलाई जा रही है यह भ्रष्टाचार की रकम घूमते घूमते वहां पहुंच जाता है। यही है सुशासन बाबू का राज???

भगवान महावीर इंटरनेशनल स्कूल का छठा वार्षिक उत्सव "आरोहण" का आयोजन किया गया

सूरत।

भगवान महावीर इंटरनेशनल स्कूल का छठा वार्षिक महोत्सव: "आरोहण" का आयोजन संजीवकुमार ऑडिटोरियम में किया गया। वार्षिक महोत्सव "आरोहण वह जगह है जहां ज्ञान आकांक्षाओं से मिलता है" विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीसीपी श्रीमती हेतल पटेल थीं साथ ही सूरत जिला शिक्षा अधिकारी श्री भागीरथ सिंह परमार, एवं संस्था के अध्यक्ष श्री अजय अजमेरा, श्री राजेश सुरना, श्री अलकेश जी आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे संजय जैन, ट्रस्टी श्रीमती हर्षिता जैन एवं श्रीमती लीना जैन भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ आमंत्रित अतिथियों एवं संस्था के ट्रस्टियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ समुह ज्ञान से किया गया। संस्था के छोटे-छोटे समूहों द्वारा यातायात नियमों पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। अतिथियों द्वारा विद्यालय द्वारा निर्मित पत्रिका आरोहण का विमोचन किया गया।

इस वार्षिकोत्सव में अतिथियों द्वारा शिक्षा एवं स्थान में विद्यालय का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा बोर्ड में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10 एवं 12 के विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। साथ ही खेलों में राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर एवं खेल महाकुंभ में विद्यालय का नाम रोशन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये।

श्रीमती हेतल पटेल जी.डीसीपी ने अपने सामयिक संबोधन में छात्रों की रचनात्मकता और समर्पण की भावना की प्रशंसा की। देश और राज्य के विकास के लिए युवाओं और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया गया।

सूरत जिला शिक्षा अधिकारी श्री भागीरथ सिंह परमार ने कहा कि पाठ्यपुस्तक शिक्षा के साथ-साथ भविष्य में तकनीकी और कौशल आधारित शिक्षा की मांग बढ़ेगी ताकि छात्र किसी भी स्थिति में अपने पैरों पर खड़े हो सकें और अपने परिवार का समर्थन कर सकें। उन्होंने कहा कि मैं कार्यक्रम के अच्छे आयोजन के लिए छात्रों और शिक्षकों की सराहना करता हूं। भगवान महावीर इंटरनेशनल स्कूल का छठा वार्षिक उत्सव: 'आरोहण' में विद्यालय के विद्यार्थियों, अभिभावकों मित्रों, शिक्षकों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सूरत ऑन्कोलॉजी सेंटर द्वारा नि:शुल्क स्तन कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

सुरत भुमि, सूरत। स्तन कैंसर की शीघ्र पहचान और जागरूकता को बढ़ावा देने के प्रयास में, सूरत ऑन्कोलॉजी सेंटर ने शनिवार को यूनिवर्सल अस्पताल में एक नि:शुल्क स्तन कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर में स्तन कैंसर के खिलाफ लड़ाई में नियमित जांच के महत्व पर जोर दिया गया और सभी महिलाओं को 2500 रुपये की मुफ्त मैमोग्राफी जांच दी गई।

स्तन कैंसर महिलाओं में कैंसर के सबसे आम रूपों में से एक है और एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य चुनौती है, खासकर भारत जैसे विकासशील देशों में। भारत में हर साल 1.5 लाख से अधिक महिलाओं में स्तन कैंसर का पता चलता है, जबकि लगभग 70,000 स्तन कैंसर रोगियों की मृत्यु हो जाती है। इसका मुख्य कारण यह है कि कई रोगियों में स्तन कैंसर का निदान उस चरण में होता है जहां जीवित रहने की संभावना बहुत कम होती है। शिविर का उद्देश्य महिलाओं को आवश्यक ज्ञान तक पहुँचने से रोकने वाली बाधाओं को दूर करना था, जो अक्सर सामाजिक, व्यक्तिगत और वित्तीय चिंताओं से उत्पन्न होती थीं।सूरत ऑन्कोलॉजी सेंटर के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अंकित पटेल ने कहा, "स्तन कैंसर से लड़ने के लिए जागरूकता जरूरी है। मैमोग्राफी स्तन कैंसर का पता लगाने और उसकी रिपोर्ट करने का एक साधन है। हालाँकि, हमारे समाज में ज्यादातर महिलाएँ गलत धारणाओं और डर के कारण मैमोग्राफी से दूर रहती हैं। यह शिविर स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने और महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

नियमित जांच के महत्व पर जोर देते हुए सूरत ऑन्कोलॉजी सेंटर के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका पटेल ने कहा, "45 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को हर साल मैमोग्राफी जांच करानी चाहिए। यदि स्तन या डिम्बग्रंथि कैंसर का पारिवारिक इतिहास है, तो उचित स्क्रीनिंग दिशानिर्देशों के लिए ऑन्कोलॉजिस्ट से परामर्श करना आवश्यक है। "शुरुआती पता लगाने से उपचार के परिणामों में काफी सुधार होता है।"

सूरत ऑन्कोलॉजी सेंटर के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. तनवीर मकसूद ने इलाज से पहले बायोप्सी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। "सटीक निदान और उपचार योजना के लिए बायोप्सी महत्वपूर्ण हैं। इसके विपरीत मिथक के बावजूद, बायोप्सी से कैंसर नहीं फैलता है। इसके बजाय यह हमें ट्यूमर की अनूठी विशेषताओं को समझने का ज्ञान देता है, जिससे व्यक्तिगत उपचार दृष्टिकोण सक्षम होते हैं। पता लगाने में प्रगति के साथ, हम लक्षित थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी सहित विभिन्न प्रकार के स्तन कैंसर के लिए बेहतर परिणाम प्रदान कर सकते हैं।

टी.एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उपलब्धि दर्ज की

सूरत,गुजरात।

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने एक्सिकॉन इवेंट्स मीडिया सोल्यूशंस लिमिटेड के सहयोग के सूरत के विद्यार्थियों के लिए "द पावर चैंप्स" कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के टिकाऊ ऊर्जा भविष्य में इसकी भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया है।

इस कार्यक्रम में सूरत के प्रमुख स्कूलों के 1,000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें श्री सरदा विद्या निलयम (क्रांति नगर और एचबी कॉलोनी), रानी मेमोरियल (ईएम) हाई स्कूल और एसएफएस पब्लिक स्कूल शामिल हैं। इन युवा प्रतिभागियों ने परमाणु ऊर्जा के बारे में समझ पैदा करने के लिए आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें ड्रॉइंग, स्लोगन लेखन, निबंध लेखन और क्विज प्रतियोगिताएं शामिल थी।

प्रत्येक आयोजन में 100 से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी देखी गई, जो युवाओं की गहरी रुचि और सक्रिय भागीदारी को दर्शाती है। आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से, विद्यार्थियों ने न केवल परमाणु ऊर्जा के बारे में सीखा, बल्कि इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का विश्लेषण किया, जिससे उनकी जिज्ञासा और दृष्टिकोण में विस्तार हुआ। भाग लेने वाले स्कूलों के प्रिंसिपल और शिक्षकों का पूर्ण समर्थन कार्यक्रम की सफलता का आधार बना। उनकी समर्पण और प्रतिबद्धता ने विद्यार्थियों को परमाणु ऊर्जा के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद की, जिससे कार्यक्रम के शैक्षिक लक्ष्य पूरे हुए। द पावर चैंपसज्ज कार्यक्रम एनपीसीआईएल की युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे भारत के ऊर्जा भविष्य को आकार देने में भूमिका निभा सकें। परमाणु ऊर्जा के बारे में जागरूकता फैलाकर, एनपीसीआईएल एक स्थायी और जिम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान कर रहा है।

फिएस्टा-8 का उद्घाटन गुजरात के शिक्षा मंत्री प्रफुल्लभाई पंसेरिया ने किया

सूरत।

25/10/2024 शुक्रवार से, द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल, अडाजण जहांगीराबाद द्वारा 3 दिनों के लिए 8-वार्षिक उत्सव का उद्घाटन गुजरात के शिक्षा मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पनसेरिया ने किया। इसमें 4000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें सिर्फ डांस ही नहीं बल्कि समाज के दिग्गजों की सच्ची कहानियों पर आधारित 3 नाटकों को डांस के साथ प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें मुंबई के डी.जी.मनोज शर्मा के करियर पर आधारित नाटक "लक्ष्य-2" को गुजराती माध्यम से प्रस्तुत किया गया. आज सीबीएसई स्कूल ने "येजो देश है मेरा" थीम पर प्रस्तुति दी और गुजरात बोर्ड ने अंग्रेजी माध्यम से "संघर्ष- ए टेल ऑफ सक्सेस" थीम पर प्रस्तुति दी।

वहीं, ये सभी नाटक समाज में चल रही नशे की बुराई को दूर करने के साथ-साथ जीवन में आने वाली कठिनाइयों पर काबू पाने के संदेश के साथ ड्रा में प्रस्तुत किए गए। इस मामले को गुजरात के गृह मंत्री श्री हर्ष संघवी ने नोट किया और इस संबंध में स्कूल के अध्यक्ष श्री रामजीभाई मंगोकिया और उपाध्यक्ष श्री जिग्नेशभाई मंगोकिया ने इस वार्षिक कार्यक्रम के माध्यम से समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही स्कूल के प्रबंध निदेशक श्री किशनभाई मंगोकियन ने उपरोक्त सभी कार्यक्रमों को बेहद सफल बनाने के लिए बधाई दी।

दीपावली पर्व पर उत्सव का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। वेसु स्थित अग्रवाल विद्या विहार स्कूल में दीपावली पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों द्वारा तोरण बनाना, दीपक सजाना, रंगोली बनाना आदि गतिविधियाँ की गई। आयोजन में माँ लक्ष्मीजी की आरती की गई एवं सभी को उपहार दिए गए। स्कूल के अध्यक्ष संजय सरावगी द्वारा अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी को शुभकामनाएँ दी गई। आयोजन के अंत में उपस्थित सभी ट्रस्टियों, शिक्षकों एवं स्टाफ द्वारा एक साथ भोजन किया गया। इस मौके पर अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी, पूर्व अध्यक्ष सुभाष बंसल, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सोंथलिया, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश झुनझुनवाला, संयुक्त सचिव बालकिशन अग्रवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष कमल टाटनवाला, स्कूल एडमिशन कमिटी के चेयरमैन राजकिशोर शाह, डिंडोली स्कूल कंस्ट्रक्शन कमिटी के चेयरमैन अर्जुनदास अग्रवाल सहित ट्रस्ट के अनेकों ट्रस्टी, स्कूल एवं कॉलेज के प्राचार्य उपस्थित रहें।

सूरत में आयोजित अलोहा 18वीं राज्य स्तरीय अंकगणित प्रतियोगिता में 3000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया

सुरत भुमि, सूरत। अलोहा ने शनिवार और रविवार को प्लेटिनम हॉल, सरसाणा में बैटल ऑफ ब्रेन के तहत 18 वीं राज्य स्तरीय अंकगणित प्रतियोगिता का आयोजन किया है। जिसमें गुजरात राज्य सहित सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद और राजकोट शहर से 4 से 14 वर्ष की आयु के 3000 से अधिक छात्र-छात्राएं प्रतियोगिता में भाग लेने आ रहे हैं। जिसमें आज सूरत के छात्रों ने भाग लिया, जबकि कल रविवार को राज्य भर के छात्र इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों के पास विभिन्न श्रेणियों में 70 से 120 उदाहरण और प्रश्न होंगे, जिन्हें हल करने के लिए छात्रों के पास केवल 6 मिनट का समय होगा, इस समय में पेपर हल करने वाले छात्रों को विजेता घोषित किया जाएगा, प्रतियोगिता के विजेता का नाम होगा अगले दिन शाम 5 बजे घोषणा की जाएगी, फिर पुरस्कार समारोह सरसाना के प्लैटिनम हॉल में आयोजित किया जाएगा।

शैल्बी हॉस्पिटल, सूरत ने अत्याधुनिक इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी विभाग शुरू किया

सुरत भुमि, सूरत।

प्रमुख शैल्बी मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, सूरत ने गौरव पथ रोड पर ड्रीम फेस्टिवल में एक मेगा लॉन्च इवेंट में दक्षिण गुजरात में अपनी तरह का पहला अत्याधुनिक इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी विभाग लॉन्च किया। इस शानदार समारोह में 250 से अधिक डॉक्टर, स्वास्थ्य सेवा प्रतिनिधि, उद्योगपति और प्रमुख जनमत नेता शामिल हुए। सूरत के पुलिस आयुक्त श्री अनुपमसिंह गहलोत ने नए विभाग का उद्घाटन किया और शहर में ऐसी उन्नत सुपर-स्पेशियलिटी देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया।

नया विभाग बाल चिकित्सा और वयस्क दोनों रोगियों के लिए इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी सेवाओं की सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित है। इनमें ईबीयूएस, चिकित्सीय ब्रोंकोस्कोपी और क्रायोथेरेपी, विभिन्न श्वसन रोगों के निदान/उपचार के लिए उपलब्ध नवीनतम न्यूनतम इनवेसिव तकनीकें शामिल हैं। शैल्बी हॉस्पिटल्स में अब नए जमाने के फेफड़ों की देखभाल के उपकरण और अन्य उन्नत चिकित्सा उपकरणों के साथ, कोई भी मरीजों के लिए विश्व स्तरीय सेवाओं के बारे में आश्वस्त हो सकता है।

विभाग फेफड़ों के कैंसर और अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और पल्मोनरी फाइब्रोसिस सहित फेफड़ों के पुराने रोगों के लिए उन्नत नैदानिक और चिकित्सीय देखभाल भी प्रदान करेगा, जिससे मरीजों को सीपी और रेडियल ईबीयूएस ब्रोन्कोस्कोपी और क्रायोथेरेपी का उपयोग करने सहित उपचार के बाद जल्दी ठीक होने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम को पल्मोनोलॉजिस्ट और थोरेसिक सर्जनों वाली एक मेडिकल टीम का भी समर्थन प्राप्त है, जो प्रत्यारोपण के बाद रोगियों की निगरानी करते हैं। इससे पूरे गुजरात और उसके बाहर उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए शैल्बी की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है।

यह आयोजन विभाग के दौरे और अत्याधुनिक उपकरणों और सेवाओं के प्रदर्शन के साथ समाप्त हुआ, जो अब सूरत और इसके आसपास के निवासियों के लिए सुलभ होगा।

सैमसंग ने भारत में सैमसंग हैल्थ के लिए नया मेडिकेशंस ट्रैकिंग फीचर लॉन्च किया

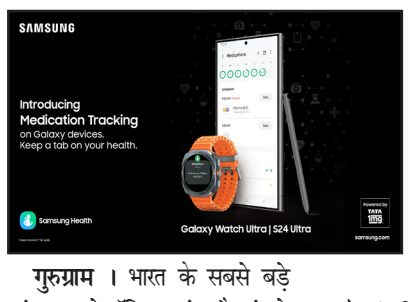

गुरुग्राम । भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने सैमसंग हेल्थ ऐप2 में मेडिकेशंस ट्रैकिंग फीचर1 को जोड़ा है। इससे यूजर्स को उनके स्वास्थ्य को ज्यादा बेहतर ढंग से मैनेज करने में मदद मिलेगी।

यह फीचर न केवल यूजर्स को उनकी निर्धारित या ओवर-द-काउंटर दवाओं पर नजर रखने में मदद करेगा, बल्कि महत्वपूर्ण चिकित्सा जानकारी और टिप्स भी मुहैया कराएगा। यह फीचर उन लोगों के लिए समय पर दवा लेने की निरंतरता पर निगरानी रखने में मदद कर सकता है, जो हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, पीसीओएस, पीसीओडी और अन्य पुरानी बीमारियों की वजह से लंबे समय से दवा ले रहे हैं और जिन्हें समय पर दवा लेने की आवश्यकता होती है।

सैमसंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्यूंगयून रू ने कहा, "सैमसंग एक ऐसा ब्रांड है जो अपने ग्राहकों को सबसे अधिक महत्व देता है और उनकी रोजाना की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए लगातार उत्पादों और सेवाओं पर काम करता है। हम डिवाइसेस और सेवाओं को जोड़कर लोगों को उनके स्वास्थ्य को बेहतर ढंग से समझने और उसे मैनेज करने के लिए एक संपूर्ण हेल्थ प्लेटफॉर्म बनाना चाहते हैं। सैमसंग हेल्थ ऐप में भारत के लिए मेडिकेशन फीचर के जुड़ने के बाद हमारा मानना है कि यूजर्स अपनी दवाओं को अधिक आसानी से मैनेज करेंगे, समय पर दवा लेंगे और आखिरकार अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगे।"

मेडिकेशन फीचर सैमसंग की अनुसंधान एवं विकास, डिजाइन और उपभोक्ता अनुभव टीमों के बीच सहयोगात्मक कोशिशों का नतीजा है, जिसे भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। सैमसंग हेल्थ ऐप में चुनिंदा दवा का नाम दर्ज करने पर, मेडिकेशन फीचर यूजर्स को सामान्य विवरण के साथ-साथ इसके संभावित दुष्प्रभावों सहित विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा।

इसके अलावा, नए फीचर से ड्रग-टू-ड्रग इंटरैक्शंस से होने वाले रिएक्शंस और अन्य प्रासंगिक सुरक्षा मार्गदर्शन के बारे में जानकारी मिलेगी। यूजर सैमसंग हेल्थ ऐप के माध्यम से यह याद दिलाने के लिए अलर्ट सेट कर सकते हैं कि उन्हें कब दवाएं लेनी हैं और कब उन्हें दोबारा भरना है।

सैमसंग हेल्थ "जेंटल" से "स्ट्रॉन्ग" रिमाइंडर्स के साथ इन अलर्ट को यूजर अपनी जरूरतों के मुताबिक बदला जा सकता है ताकि यूजर के लिए उनके महत्व के आधार पर दवाओं को प्राथमिकता दी जा सके। गैलेक्सी वॉच यूजर्स को सीधे उनकी कलाई पर रिमाइंडर भी प्राप्त होंगे ताकि वे अपने फोन से दूर होने पर भी अपने दवा शेड्यूल कर सकें।

सैमसंग हेल्थ ऐप पहले से ही नींद प्रबंधन3, माइंडफुलनेस प्रोग्राम और अनियमित हार्ट रेट नोटिफिकेशंस4 क्षमताओं सहित एडवांस्ड स्वास्थ्य पेशकशों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। भारत में मेडिकेशन ट्रैकिंग फीचर की शुरूआत सैमसंग की अपने यूजर्स के लिए समग्र सेहत अनुभव बनाने की प्रतिबद्धता को नई ऊंचाई पर लेकर जाएगा, जिससे वे ज्यादा स्वस्थ और शानदार जीवन जीने में सक्षम होंगे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)